(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

पुष्पा की सफलता के बाद...8

शुक्रवार, 21 जनवरी 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 33 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

क्या गोरखपुर से चंद्रशेखर आजाद का समर्थन करेगी समाजवादी पार्टी? अखिलेश यादव ने दिया यह जवाब

उत्तर प्रदेश में सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। चुनावी ऐलान के साथ ही अब प्रत्याशी भी मैदान में पूरे दमखम के साथ उतरने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भाजपा ने गोरखपुर शहर से प्रत्याशी बनाया है। आज आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गोरखपुर सीट से योगी आदित्यनाथ के खिलाफ लड़ने का ऐलान कर दिया है। इसी को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से सवाल किया गया। इस सवाल का जवाब अखिलेश यादव ने सीधे–सीधे तो नहीं दिया लेकिन यह जरूर कहा कि गोरखपुर इकाई के प्रत्याशियों से बात करके इस बात पर फैसला लिया जाएगा। अलावा आज अखिलेश यादव ने अखिलेश ने दावा किया कि गोरखपुर से कई लोगों ने टिकट मांगे हैं। पार्टी गोरखपुर यूनिट से बात करेगी और फिर प्रत्याशी पर फैसला लिया जाएगा। आपको बता दें कि गोरखपुर सदर सीट पर छठे चरण में मतदान होना है। इसके

राज्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर कई कामों को लेकर ऐलान किए है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी सरकार बनते ही राज्य में पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से बहाल कर दिया जाएगा। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल कर दिया जाएगा। यह समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। 2005 से पूर्व कर्मचारियों को मिलने वाली पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू की जाएगी। उन्होंने नारा दिया, ष्सपा का संकल्प, कर्मचारियों का होगा कायाकल्पष, ष्कर्मचारियों का इंकलाब होगा, बाईस में बदलाव होगाष इसके साथ ही अखिलेश यादव ने एक बार फिर से यश भारती सम्मान की भी शुरुआत करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर अब यश भारती सम्मान दिए जाएंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सभी वादों को घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि सत्तारूढ़ फिलहाल अपना घोषणापत्र नहीं ला रही है। पहले वह लाए फिर हम लेकर आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि समाजसेवियों, साहित्यकारों, पत्रकारों को भी नगर स्तर पर यह सम्मान दिया जाएगा। आपको बता दें कि अखिलेश यादव पहले ही राज्य में 300 यूनिट मुफ्त बिजली का ऐलान कर चुके हैं।

234 दिनों बाद देश में एक दिन में संक्रमण के नये मामले तीन लाख को पार

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की तीसरी लहर का कहर बढ़ता ही जा रहा है और 234 दिनों बाद देश में एक दिन में संक्रमण के नये मामले तीन लाख को पार कर गये हैं। जी हाँ, भारत में एक दिन में कोविड–19 के 3,17,532 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,82,18,773 हो गई है। इससे पहले देश में पिछले साल 15 मई को 3,11,170 दैनिक मामले सामने आए थे। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण के कुल मामलों में कोरोना वायरस के 'ओमीक्रोन' स्वरूप के 9,287 मामले भी शामिल हैं। इस समय देश में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 19,24,051 हो गई है, जो कुल मामलों का 5.03 प्रतिशत है। उपचाराधीन मरीज बढ़ेः आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 93,051 की वृद्धि दर्ज की गयी। वहीं, 491 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,87,693 हो गई। देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर घटकर 93.09 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि देश में बुधवार से 'ओमीक्रोन' स्वरूप के मामलों में 3.63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, हरेक संक्रमित के नमूनों का जीनोम अनुक्रमण मुमकिन नहीं है, लेकिन इस मौजूदा लहर में अधिकतर मामले 'ओमीक्रोन' स्वरूप के ही हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत के 491 मामले सामने आए। इनमें से केरल में 134 और महाराष्ट्र में 49 मामले सामने आए। 160 करोड़ से अधिक टीके की खुराकः इस बीच, देश में अब तक कोविड–19 रोधी टीके की 160 करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों और 60 वर्ष तथा उससे अधिक आयु के लोगों को अब तक 61 लाख

से अधिक एहतियाती खुराक दी गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 15 से 18 साल के किशोरों को अब तक कुल 4 करोड़ के आसपास खुराक दी गई हैं। हम आपको बता दें कि पिछले साल 16 जनवरी को देश में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके दिए जाने के साथ टीकाकरण की शुरुआत हुई थी। इसके बाद दो फरवरी 2021 से अग्रिम मोर्चे के कर्मियों का टीकाकरण शुरू किया गया। बाद के चरणों में अन्य समूहों को टीका देने की शुरुआत की गई। इस साल तीन जनवरी को 15–18 वर्ष के किशोरों को टीका देने का अभियान शुरू हुआ। अब माना जा रहा है कि मार्च महीने से 12 से 14 वर्ष उम्र के बच्चों के टीकाकरण की शुरुआत भी हो जायेगी। स्वास्थ्यकर्मियों से दुर्व्यवहारः अब एक ओर तो यह अध्ययन सामने आया है कि जिन्होंने टीके की खुराक नहीं ली या दोनों खुराक नहीं ली उन्हें ही तीसरी लहर में ज्यादा परेशानी हुई है इसलिए सभी को टीका लगवाना जरूरी है। लेकिन अब भी कुछ लोग हैं जो टीका नहीं लगवाना चाहते और यदि टीका लगवाने के लिए स्वास्थ्यकर्मी आयें तो उनके साथ बदसलूकी करते हैं। उत्तर प्रदेश के बलिया से जो खबर आई है उसके मुताबिक एक नाविक ने टीका लगवाने आये स्वास्थ्यकर्मी के साथ बुरा बर्ताव किया और उसके साथ मारपीट भी की। यही नहीं ऐसे ही एक अन्य मामले में टीका लगवाने से इंकार करने वाला युवक स्वास्थ्यकर्मी को देखकर पेड़ पर चढ़ गया। झारखंड में मामले बढ़ेः वहीं झारखंड की बात करें तो यहां कोरोना वायरस संक्रमण के 2,617 नए मामले सामने आये हैं तथा 12 और लोगों की मौत हो गयी है। लेकिन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि कोरोना की स्थिति राज्य में नियंत्रण में है। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार रात्रि जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पिछले चौबीस घंटों में संक्रमण के 2,617 नए मामले सामने आए, जिनमें से 809 अकेले रांची में और 525 जमशेदपुर में सामने आये। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बोकारो एवं धनबाद में 135–135 मामले सामने आए। मंत्रालय ने बताया कि कि राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 3,769 लोग संक्रमण से मुक्त भी हुए हैं। राज्य में बुधवार को संक्रमण से 12 लोगों की मौत हुई। राज्य में कोरोना वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 5,225 हो गयी है।

पाकिस्तान के लाहौर में हुआ बम धमाका, 3 लोगों की हुई मौत, अन्य 23 जख्मी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर में बम धमाके की खबर

सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि धमाका लाहौर के लोहरी गेट इलाके की अनारकली बाजार में हुआ है। जिसमें कम से कम 3 लोगों की मौत हुई है। जबकि अन्य 23 लोग जख्मी बताए जा रहे है। धमाके की वजह से इलाके में अफरातफरी का महौल है और जख्मी लोगों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। फिलहाल धमाके के कारणों का पता नहीं चला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, डीआईजी ऑपरेशन लाहौर डॉ मुहम्मद आबिद ने बताया कि मामले की जांच की जारी है और धमाके के बारे में पता लगाया जा रहा है। इस बात की जांच की जा रही है कि यह आईईडी धमाका था या फिर टाइम बम था ? फिलहाल घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम सबूत जुटा रही है। मोटरसाइकिल में लगाया गया था बम : लाहौर पुलिस अधिकारी राणा आरिफ ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में हताहतों और जख्मी लोगों की संख्या की पुष्टि की। लेकिन उन्होंने बताया कि एक मोटरसाइकिल में बम लगाया गया था। जिसकी वजह से धमाका हुआ।

देश की पहली यूनिवर्सिटी बनी बीएचयू जहां शुरू हुई हिन्दू स्टडी की पढ़ाई, जानें इसकी अहमियत क्या होगी?

बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी

(बीएचयू) देश की पहली ऐसी यूनिवर्सिटी बन गई है जहां हिंदू स्टडीज की पढ़ाई शुरू हुई है। बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी यानी बीएचयू में अब आप हिन्दू स्टडीज में एमए कर सकते हैं। बीएचयू ने हिन्दू स्टडीज में मास्टर्स डिग्री का नया कोर्स शुरू किया है। ये कोर्स इसलिए अहम है क्योंकि देश में किसी भी यूनिवर्सिटी में ये अपनी तरह का पहला कोर्स है। इस पाठ्यक्रम को बीएचयू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बनाया है। बीएचयू के भारत अध्ययन केंद्र के आर्ट्स विभाग में इस पाठ्यक्रम की पढ़ाई होगी। दर्शन शास्त्र, धर्म विभाग, संस्कृत विभाग और प्राचीन भारतीय विभाग के सहयोग से ये पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। स्मार्ट क्लास में एलईडी स्क्रीन से पढ़ाई : विश्वविद्यालय के नए कोर्स में छात्र–छात्राओं को हिन्दू धर्म के धार्मिक पुस्तकों के अलावा व्रत, त्योहार, मान्यताएं और भी बहुत कुछ दो सालों में पढ़ाया जाएगा। कोरोना के बाद जब हालात सामान्य होंगे तो स्मार्ट क्लास में इसकी पढाई होगी। इस स्मार्ट क्लास में एलईडी स्क्रीन के अलावा आरामदायक चेयर,वाई फाई और भी कई सुविधाएं होंगी। अन्य विश्वविद्यालय में दूसरे धर्म की होती थी पढ़ाई : ये पाठ्यक्रम छात्रों को हिन्दू धर्म के सभी पहलुओं से अवगत कराएगा। एमए हिन्दू स्टडीज के पहले बैच में एक विदेशी छात्र समेत कुल 45 छात्रों ने दाखिला लिया। येपाठ्यक्रम इसलिए खास है क्योंकि अभी तक कई यूनिवर्सिटीज में ईसाई धर्म, इस्लाम धर्म की पढ़ाई तो हो रही है।

गोवा में शिवसेना और राकांपा के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन, कांग्रेस ने प्रस्ताव पर नहीं दिया जवाब

पणजी। गोवा में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने चुनाव पूर्व गठबंधन करने की घोषणा की है। बुधवार को दोनों दलों ने यह निर्णय लिया और कहा कि कांग्रेस ने गठबंधन के प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि गोवा में, शिवसेना और राकांपा के शामिल हुए बिना अगली सरकार नहीं बन सकती। वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि शिवसेना और राकांपा प्रत्येक, कम से कम 10–12 सीटों पर अपने उम्मीदवार पेश करेगी। पटेल ने राउत के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, "गोवा में चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए राकांपा ने कांग्रेस से बात करने की कोशिश की थी। हमने उनसे कहा कि सरकार बनाने के लिए साथ मिलकर काम करते हैं।" पटेल ने कहा कि संजय राउत ने भी कांग्रेस को मुख्य दल के रूप में रखते हुए संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस को प्रस्ताव दिया था। पटेल ने कहा, "लेकिन हमारे इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया नहीं दी गई। हमें लगा कि कांग्रेस हमें वह सम्मान नहीं दे रही जिसके हम हकदार हैं।"

नई आबकारी नीति से सिर्फ उन्हें तकलीफ है जो शराब माफियाओं को संरक्षण देते है : नरोत्तम मिश्रा

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा इन दिनों लगातार कांग्रेसी नेताओं पर हमला बोल रहे है। कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के मशीन गन वाले वीडियो पर तंज कसने के बाद अब नरोत्तम मिश्रा ने

नई आबकारी नीति को लेकर शिवराज सरकार का बचाव करते हुए कांग्रेस व दिग्विजय सिंह पर बड़ा हमला बोला है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि नई आबकारी नीति से उन्हें ही सबसे ज्यादा परेशानी है जो अवैध शराब का काम करते है या इस तरह के लोगों को संरक्षण देते है। प्रदेश के पूर्व मंत्री उमंग सिंगार पहले ही बता चुके है कि दिग्विजय सिंह से बड़ा प्रदेश में कोई शराब माफिया नही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और दिग्विजय सिंह नई आबकारी नीति को लेकर उमा भारती से सवाल कर रहे है। जबकि उन्हें उमंग सिंगार से करना चाहिए। इस आबकारी नीति लागू होने से सबसे ज्यादा दर्द उन्हें ही हो रहा है जो अवैध शराब के धंधे से जुड़े है या उसे संरक्षण देते रहे है। यही कारण है कि जबसे यह नई नीति लागू हुई है दिग्विजय सिंह सबसे ज्यादा बेचौन है। मिश्रा ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में रहती है तो उसे शराब में कोई खराबी नही दिखती थी उस समय तो उसके लिए शराब सुंदरी होती है। तब तो वह महिलाओं के लिए अलग से शराब की व्यवस्था, घर घर शराब पहुंचाने की योजना बनाने में जुट जाती है। लेकिन जैसे ही विपक्ष में आती है, शराब राक्षस की तरह दिखाई देने लगती है। उन्होंने दिग्विजय सिंह को निशाने पर लेते हुए कहा कि, हिन्दू खतरे में है यह बीजेपी नही फैलाती है, यह काम दिग्विजय सिंह और उनकी गैंग करती है। आज देश मे हिन्दुओं के बीच अगर कोई भ्रम फैला रहा है तो वह दिग्विजय सिंह है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह हमेशा हिन्दुओं पर बात करते हैं, अन्य धर्म पर कभी नहीं बोले ऐसा क्यों।

उत्तराखंड में भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की पहली सूची

खटीमा से चुनाव लड़ेंगे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से पहली सूची जारी कर दी गई है। पहली सूची में 59 नामों को शामिल किया गया है। नामों की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री और उत्तराखंड प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा उत्तराखंड की रचना हुई। कांग्रेस पार्टी और अन्य दल तब भी उत्तराखंड के गठन का विरोध कर रहे थे। यूपीए के कार्यकाल में भी उत्तराखंड के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। इसके साथ ही प्रह्लाद जोशी ने यह भी कहा कि पिछले 5 वर्षों में उत्तराखंड में विकास हो रहा है। देश की सुरक्षा में उत्तराखंड का बहुत बड़ा योगदान है। उत्तराखंड में सैन्य धाम की स्थापना की कल्पना भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने की है। 59 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करते हुए भाजपा

महासचिव अरुण सिंह ने ऐलान किया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने परंपरागत सीट खटीमा से ही चुनावी मैदान में होंगे जबकि उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक हरिद्वार से चुनावी मैदान में होंगे। इसके अलावा यमुनोत्री से केदार सिंह रावत, बद्रीनाथ से महेंद्र भट्ट, रुद्रप्रयाग से भरत सिंह चौधरी चुनावी मैदान में उतरेंगे। थराली से गोपाल नाथ टम्टा, घनशाली से शक्ति लाल शाह और मसूरी से गणेश जोशी को टिकट दिया गया है। गणेश जोशी पूर्व सैनिक रहे हैं। डॉक्टर धन सिंह रावत को भी टिकट दिया गया है। इसके अलावा चौबट्टाखाल से सतपाल महाराज चुनावी मैदान में होंगे। 11 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को लेकर अब भी मंथन चल रहा है। 15 ब्राह्मण और तीन बनिया उम्मीदवार बनाए गए हैं।

पंजाब के बाद अब मणिपुर में क्यों होने लगी चुनाव तारीखों में बदलाव की मांग? इस वजह से वोटिंग से परहेज कर सकते हैं मतदाता!

पंजाब में सभी 117 विधानभा सीटों के लिए अब 14 फरवरी की बजाय 20 फरवरी को चुनाव होंगे। पंजाब सरकार और विभिन्न राजनीतिक दलों की मांग पर चुनाव आयोग ने ये फैसला लिया है। जिसका सभी ने स्वागत किया। लेकिन पंजाब के बाद अब राजनीतिक दल मणिपुर में भी चुनाव की तारीखों में

बदलान की मांग निर्वाचन आयोग से कर रहे हैं। बता दें कि राज्य में दो चरणों में 27 फरवरी और 3 मार्च को मतदान होने हैं। क्यों हो रही ये मांगः कांग्रेस ने पहले ही भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को एक पत्र दिया है, जिसमें कहा गया है कि 27 फरवरी को रविवार है और उस दिन मतदान ईसाई समुदाय की धार्मिक भावना के खिलाफ है। आदिवासी समूहों और आदिवासी छात्र संघ की भी यही राय है। ऐसा निर्णय लेंगे। मणिपुर में ईसाई आबादी 41.29 फीसदी : मुख्य रूप से मणिपुर के एक बड़े हिस्से को कवर करने वाले आदिवासी ज्यादातर ईसाई हैं। कांग्रेस से पहले, पिछले सोमवार को, ईसाई समुदाय ने भी तारीखों को फिर से निर्धारित करने के लिए चुनाव आयोग से संपर्क किया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव देवेन लैंगपोकलाकपम ने भी कहा है कि हम चुनाव आयोग से इस पर पुनर्विचार करने का भी अनुरोध करेंगे। गौरतलब है कि मणिपुर के 30 लाख लोगों में ईसाई आबादी 41.29 फीसदी है, जिसमें से 41.39 फीसदी हिंदू और 8.40 फीसदी मुस्लिम समुदाय से हैं। मणिपुर पीसीसी के प्रवक्ता, एआईसीसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, निंगोम्बम बुपेंडा मेइतेई ने कहा कि रविवार एक पवित्र दिन है क्योंकि ईसाइयों को अपने चर्च जाना है। हमने इस तारीख में बदलाव को लेकर विचार करने के लिए चुनाव आयोग को लिखा है। रविवार को छोड़कर कोई भी दिन ठीक है। उन्होंने पंजाब में तारीख बदल दी है और आशा है कि वे मणिपुर को लेकर भी

जमीन कब्जा करने का विरोध करने पर दरोगा ने दलित महिला को थाने में ले जाकर कमरे में बन्द कर की पिटाई

गोंडा। गोंडा जिले में दबंगों की दबंगई तो बढ़ी ही थी लेकिन अब पैसे के आगे पुलिस भी दबंग बन गई है। मामला थाना मोतीगंज के गरबाजोत गांव का है जहां एक दलित परिवार की भूमि को गांव के दबंगों द्वारा ट्रैक्टर ट्राली से जोत कर कब्जा कर लिया गया, और जब न्याय के लिए दलित परिवार ने थाने में गुहार लगाई तो पुलिस उल्टे दलित परिवार की महिला को थाने पकड़ ले गई और वहां कमरे में बंद कर दरोगा राकेश कुमार ने बेल्टों से पिटाई कर दी।

थाने से छूटकर आई महिला अपने बेहोश पड़े पति को जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराई। दलित पीड़िता ने बताया कि दबंगों ने हमारी जमीन को कब्जा कर लिया उन लोगों द्वारा घ30,000 थाने में दिया गया है यह बात दबंगों ने खुद कहा कि हमने घ30,000 थाने में दिया है और तुम लोगों को गांव से उजाड़ देंगे। दलित पीड़िता ने बताया कि जब वह अपनी तहरीर थाने में दी तो उसकी तहरीर ना लेकर उसे भगा दिया गया उसकी रिपोर्ट तक नहीं लिखी गई और ना ही आज तक उसका और उसके पति का मेडिकल ही कराई गई। जबकि दबंगों ने भी जमीन कब्जा करने के दौरान विरोध करने पर लाठी–डंडों से पति और पत्नी की पिटाई की थी। लेकिन पैसे के आगे पुलिस ने दलितों की बात न सुनकर इनकी ना तो रिपोर्ट लिखी गई और ना ही कोई कार्यवाही की गई।

मोतीगंज पुलिस ने कहा दलित परिवार ही है दोषीः मोतीगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि दलित परिवार ठीक नही है ये न तो एसडीएम की बात मानता न ही नायब की बात

बैंक प्रबंधक ने उपभोक्ता के साथ किया अभद्र व्यवहार

गोण्डा।बेलसर भारतीय स्टेट बैंक मैनेजर रगड़गंज (बेलसर)पर एक उपभोक्ता ने बदसलूकी करने का आरोप लगाया साथ ही उच्च अधिकारी से जाँच की मांग भी की। बता दें कि गोंडा–उमरी मार्ग पर स्थित तिवारी फिलिंग स्टेशन के संचालक राजीव तिवारी ने भारतीय स्टेट बैंक मैनेजर बेलसर पर आरोप लगाते हुए बताया कि उनकी एक फर्म तिवारी फिलिंग स्टेशन के नाम से संचालित है जिसका आई डी व पासवर्ड लेने के लिए वे पिछले कई सप्ताह से बैंक के चक्कर लगा रहे है लेकिन किसी भी प्रकार का कोई हल नहीं मिल रहा है जिसके कारण इंकम टैक्स भी नहीं जमा हो पा रहा है पीड़ित उपभोक्ता बैंक में विगत दिनों की तरह ही अपने समस्या के हल के लिए शाखा प्रबंधक से निवेदन करने लगा ।जिसके बाद झल्लाये मैनेजर ने उन्हें थाने में बंद कराने की धमकी दे डाली। यही नहीं जानकारी मिलने के बाद दोनों पक्षों की खब्बर करने पहुची मीडिया टीम के साथ भी शाखा प्रबंधक ने अभद्रता की और बयान देने से मना कर दिया। हालांकि पीड़ित उपभोक्ता ने बैंक के उच्च अधिकारियों से शिकायत करते हुए जाँच की मांग की है वहाँ मौजूद लोगों ने बताया बैंक प्रबंधक का यह कोई पहला मामला नहीं है बल्कि ऐसे कई मामले प्रबंधक का कुछ भी कर नहीं पाए। जिसका इन्हें बराबर गुमान रहा है अब देखना यह है कि जनपद में बैठे बैंक के उच्च अधिकारी इस मामले में कितनी रुचि दिखाते हैं।

बैंक कर्मियों के मनमानी रवैए व अभद्र कार्यशैली से खाताधारक त्रस्त,डीएम से लगाई गुहार

कटराबाजार गोंडा। कटरा बाजार क्षेत्र के अन्तर्गत स्थित प्रथमा सर्व यूपी ग्रामीण बैंक शाखा दुबहा बाजार के शाखा प्रबंधक व बैंक कर्मियों के मनमानी रवैए व अभद्र कार्यशैली से त्रस्त खाताधारकोंध्क्षेत्रीय लोगों ने जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि बैंक कर्मियों द्वारा उनके खाते से मनमानी कटौती कर रोक लगाकर एवं भुगतान ना करके अमर्यादित टिप्पणी कर अभद्रता व्यवहार किया जाता है।जिससे पीड़ित खाताधारकों ने आक्रोशित होकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध कर उनके मजदूरीध्अनुदान के पैसों को खाते में ना काटने व जिम्मेदार पद पर रहते हुए अभद्रता करने वाले बैंक कर्मियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने हेतु संबंधित को निर्देशित कर मध्यम वर्गीय लोगों पर कृपा करने की मांग की गई है।

सर्विलांस टीम ने गुमशुदा 60 मोबाइल फोन किए बरामद

एसएसपी ने 54 आवेदकों को वापस किए फोन

अयोध्या। जनपद की स्वाट व सर्विलांस टीम को गुम मोबाइल बरामद करने में बड़ी सफलता हाथ लगी है। लोगों के पास गुम हुए विभिन्न कंपनियों के 60 मोबाइल फोन पुलिस टीम ने बरामद किया। बरामद माबाइल की कीमत लगभग 10 लाख है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने गुम मोबाइलों को उनके आवेदकों को सौंपा। एसएसपी शैलेश पाण्डेय ने पुलिस लाइन स्थित सभाकक्ष में पिछले 10 माह में बरामद फोन को आवेदकों को वापस लौटाया। उन्होंने बताया कि अधिकांश लोगों के मोबाइल फोन अयोध्या दर्शन करने के दौरान गुम हुए थे। सर्विलांस टीम द्वारा विभिन्न कंपनी के 60 मोबाइल फोन बरामद हुए थे। इसमें 54 आवेदकों को फोन पावस किया गया शेष मौके पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने बताया कि गुमशुदा मोबाइल विभिन्न जनपदों के लोगों के हैं। एसएसपी ने बताया कि गुमशुदा मोबाइल फोन के संबंध में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण एवं गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए गए अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर विजय पाल सिंह के पर्वेक्षण में सीओ सिटी पलाश बंसल के नेतृत्व में आवेदकों के गुमशुदा मोबाईल फोन थे जिन्हे कार्यवाही करते हुए बरामद किया गया था। मोबाइल फोन बरामद करने वाली टीम में स्वाट टीम प्रभारी उपनिरीक्षक रतन कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबिल अजय सिंह, कांस्टेबिल मुकेश यादव, चन्द्रभान यादव, सौरभ सिंह, अजीत गुप्त, अंकित राय, सुनील यादव, आनन्द प्रजापति व शिवम यादव की एसएसपी ने पीठ थपथपाई।

मास्टर प्लान महायोजना के लिए एकत्र की आपत्तियां

व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल जल्द विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को सौंपेगा ज्ञापन

अयोध्या। मास्टर प्लान महायोजना 2031 में शहर में सड़कों की चौड़ाई 45मीटर तक प्रस्तावित होने से लोगों के घर व दुकान सब खत्म हो जाएगा। इस सम्बन्ध में चौक से रिकाबगंज तक समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष प्रभारी अयोध्या विधानसभा मनोज जायसवाल के नेतृत्व में व्यापारियों से वार्ता कर व्यापारियों से आपत्तियां इकठ्ठा करायी गई। सभी आपत्तियां को 21जनवरी को विकास प्राधिकरण के कार्यालय में जमा किया जाएगा। मनोज जायसवाल ने बताया मास्टर प्लान की प्रदर्शनी शहर के बीच लगानी चाहिए। जिससे लोग आसानी से पहुंचकर प्रस्तावित महायोजना की रूपरेखा समझ कर अपनी आपत्तिध सुझाव आसानी से दे सकें । पूर्व मंत्री अमृत राजपाल ने कहा मास्टर प्लान महायोजना का प्रचार प्रसार अधिकतर लोगों मे नही हो पाया है । नन्द कुमार गुप्ता नन्दू ने कहा व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल जल्द ही उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण से मिलकर ज्ञापन सौपेगा। आपत्तियां एकत्र करने में मनोज जायसवाल, अमृत राजपाल,नन्द कुमार गुप्ता नन्दू, विजय यादव,बद्री प्रसाद त्रिपाठी,प्रताप जायसवाल, विनोद कुमार गुप्ता, अयुस श्रीवास्तव ,अभिषेक कसौधान,सुशील पाण्डेय,रवि साहू,अंकित जायसवाल व अन्य लोग मौजूद रहे।

बाईक और मैजिक में भिड़ंत होने से मैजिक पलटी,बाइक सवार गंभीर घायल

गोण्डा। जिले के थाना कोतवाली देहात अन्तर्गत .दोपहर बाद चौपाल सागर के पास एक बाइक सवार और मैजिक वाहन के ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक सवार संतुलन खो बैठा और जिससे हुई भिडंत के चलते मैजिक सड़क के बगल गड्ढे में पलट गई वहीं बाइक सवार को गंभीर चोटें आई हैं। समाचार मिलने तक इस पास के लोगों द्वारा दी गई सूचना पर एंबुलेंस और पुलिस पहुंच गयी थी।

ई संजीवनी एप के द्वारा घर बैठे मिलेगी चिकित्सीय सलाह

गोण्डा । कोविड संक्रमण के बढ़ते खतरों को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार हेतु त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ई–संजीवनी पोर्टल एवं ई संजीवनी एप की व्यवस्था प्रत्येक जिले में की गई है। जिससे कोरोना संक्रमण काल में संक्रमित व्यक्ति घर पर रहते हुए चिकित्साधिकारी से ऑनलाइन परामर्श प्राप्त कर अपना उपचार कर सकते हैं। ई– संजीवनी ओपीडी का समय प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक है।मरीज उपरोक्त समय में चिकित्साधिकारी से अपना उपचार परामर्श प्राप्त कर सकते है

सीएचसी कर्नलगंज में दलाली को लेकर आशा बहुओं में हुई हाथापाई व नोक–झोंक,पहुंची पुलिस

गोण्डा। कर्नलगंज, तहसील मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अपने कारनामों को लेकर अक्सर चर्चा में बना रहता है। जहां दलाली को लेकर आशा बहुओं में हुई मारपीट एवं नोंक–झोंक को लेकर एक बार फिर चर्चा में आ गया है। वहीं सीएचसी प्रशासन को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है।सीएचसी कर्नलगंज में उस वक्त हड़कंप मच गया एवं आसपास के लोग एकत्र हो गए,जब दो आशा बहुएं दलाली को लेकर एक दूसरे से भिड़ गयीं। जिसमें काफी नोक–झोंक के बाद नौबत मार पीट तक आ गयी। सीएचसी परिसर में घटित घटना में रंजना सिंह आशा बहु के द्वारा आरोप लगाते हुए बताया गया कि उनके द्वारा लायी गयी गर्भवती महिला की दवा की पर्ची को लीलावती के द्वारा छीन लिया गया तथा विरोध करने पर अभद्रता करते हुए उनके साथ मारपीट की गयी। हालांकि सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस वस्तुस्थिति की जानकारी के लिए पहुंच गई है। वहीं उक्त मामले में कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है,जांच कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गौशाला में बंधक पशु भूखों मरने को मजबूर,अब 50 गौवंशो की जा चुकी है जान

शिवदयाल गंज ,गोंडा प्रदेश सरकार नें सड़क पर छुट्टा घूम रहे गौवशों के संरक्षण के लिए क्षेत्र के शाहपुर गांव में गौशाला का निर्माण कराया है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी की उदासीनता से गौशाला की हालत बद से बद्तर हो गई है। गौशाला में क्षेत्र में छुट्टा घूम रहे गौवशों को रखा गया है। लेकिन न तो इनके रहने खाने की उचित व्यवस्था है और न ही इनके देख भाल के लिए पर्याप्त कर्मचारी की व्यवस्था है। आलम यह है कि इस गौशाला में तिल तिल कर गौवंश मरने के कगार पर हैं। क्षेत्रीय लोगों की मानें तो ५० से अधिक गौवंश अपनी जान गवां चुके हैं। अगर यही गौवंश खुले में सड़क पर घूम रहे होते तो अपने जीने रहने खाने–पीने की व्यवस्था खुद कर लेते। लेकिन इस गौशाला की चौहद्दी में कैद होने के कारण तिल तिल कर अपनीं जान देने पर मजबूर हैं। गौशाला में मे ८० से ऊपर गौवंश हैं। जिनकी देखभाल के लिए एक ही परिवार के पति पत्नी को रखा गया है। जबकि ८० से ऊपर जानवर की देखभाल के लिए कम से कम पांच कर्मचारियों की आवश्यकता है।

चोरी करने के उपकरणों के साथ दो गिरफ्तार

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज कोतवाली पुलिस ने चोरी करने के उपकरणों के साथ दो चोरो को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्जकर चालान कर न्यायालय रवाना कर दिया। एसएचओ केके मिश्र के मुताबिक उच्चाधिकारियों के निर्देश पर आगामी विधानसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए इलाके में वांछितो की धरपकड के लिए विशेष अभियान चला रही है। अभियान के तहत एसआई अर्जुन यादव,वीरेंद्र पाल की टीम ने महबूबगंज के पशु अस्पताल के पास से दो लोगो को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उनके पास से चोरी करने के उपकरण हथौड़ा,पिलास,सब्बल,छेनी सहित एक अदत तमंचा315बोर व एक जिंदा कारतूस315बोर बरामद किया है।पकड़े गये आरोपियों की पहचान सत्यम पांडे पुत्र संतकुमार पांडे निवासी खुशहालगंज व प्रदीप तिवारी पुत्र रामकृष्ण तिवारी निवासी बीठलपुर छतरा थाना महराजगंज अयोध्या के रूप में हुई। एसएचओ ने बताया कि सत्यम पांडे का लम्बा आपराधिक इतिहास है। इसके खिलाफ थाना महराजगंज में आधा दर्जन से अधिक केस दर्ज है। पुलिस को इसकी तलाश काफी दिनों से थी।

कृषि विवि में 400 महिलाओं को किया गया प्रशिक्षित

भविष्य में भी इस प्रकार के निरंतर कराए जाएंगे प्रशिक्षणः डॉ. बिजेंद्र सिंह

मिल्कीपुर–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग द्वारा 400 महिलाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम चार चरणों में, तीन दिवसीय, दिनांक 7 जनवरी से 18 जनवरी तक अयोध्या एवं सुल्तानपुर 2 जनपदों के क्रमशः 8–8 गांव (16 गांव), की महिलाओं का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कृषि विकास योजना द्वारा वित्त पोषित" श्रम दक्षता प्रयोगशाला में जोखिम विश्लेषण" नामक परियोजना के अंतर्गत दक्षता पूर्वक कृषक महिलाओं में स्वास्थ्य जोखिम कम करने हेतु चलाए जा रहा है। जिसके अंतिम चरण के प्रशिक्षण का समापन दिनांक 18 जनवरी को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ । समापन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन की बधाई देते हुए महिलाओं को स्वच्छ भोजन, स्वच्छ जल एवं वातावरण की साफ सफाई पर ध्यान देने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार के प्रशिक्षण कराए जाते रहेंगे।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से गलत मुद्रा में कार्य करने से होने वाले जोखिम, स्वच्छता, महिलाओं के लिए उपयोगी कृषि यंत्र, कृषि से जुड़े उद्योग, महिलाओं में खून की कमी के कारण एवं निवारण, कृषि कार्यों में जोखिम तथा उसे दक्षता पूर्वक दूर करने के उपाय, पूरक आहार बनाने का प्रशिक्षण,वस्त्रों की देखभाल व रखरखाव, आर्थिक सशक्तिकरण हेतु अधिकार व कार्यक्रम, खाद्य स्वच्छता, औषधि एवं फलदार पौधों की खेती, बकरी पालन, धान मक्का एवं सब्जी की बुवाई में प्रयोग होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण, प्रदर्शन एवं विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण भी कराया गया । परियोजना की मुख्य अन्वेशक डॉ आभा सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने मसाला पीसने, फ्रूट हार्वेस्टर, निराई गुड़ाई एवं धान तथा मक्का की बुवाई करने वाले यंत्रों में विशेष रूचि तथा कार्य करने के विभिन्न सही मुद्राओं को अपनाकर जोखिम कम करने में अपनी विशेष रुप से उत्सुकता दिखाई। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ नमिता जोशी ने कार्यक्रम में प्रशिक्षण देने वाले वैज्ञानिक डॉ सुमन मौर्य, डॉ आभा सिंह,डॉ पूनम सिंह, डॉ ए के सिंह, डॉ साधना सिंह, डॉ सरिता श्रीवास्तव,डॉ विभा परिहार,डॉ प्राची शुक्ला, डॉ स्नेह सिंह, डॉ डी राम,डॉ भानु प्रताप,डॉ मुकेश,डॉ रविंदर सिंह एवं डॉ मनोज सिंह को धन्यवाद दिया तथा प्रशिक्षण को सफल बनाने में डॉ सुमंत प्रताप,डॉ आनंद कुमार, अंकिता सिंह आदि एवं फसल कार्यिकी विभाग के पीएचडी एवं एमएससी के छात्र–छात्राओं तथा सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के कर्मचारियों के सहयोग हेतु धन्यवाद दिया।

नगर पंचायत कुमारगंज की ईओ व व्यापारी आमने–सामने

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र स्थित कुमारगंज बाजार के व्यापारियों व नगर पंचायत अधिकारियों के बीच रास्ते का विवाद गरमा गया है। नगर पंचायत कुमारगंज की अधिशासी अधिकारी एवं व्यापारी बाउंड्री निर्माण को लेकर आमने–सामने हो गए हैं। एक तरफ जहां नगर पंचायत अधिकारी सरकारी जमीन बता कर उस पर अपनी बाउंड्री बनाना चाह रहे हैं। वहीं दूसरी ओर 50 वर्ष पुराना आवास बताकर व्यापारी अपने लिए रास्ते की मांग कर रहे हैं। विवाद को सुलझाने दोपहर बाद उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर व क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचे तहसील के प्रशासनिक अधिकारियों के सामने व्यापारी तथा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी विजय कुमार उपाध्याय ने उनके समक्ष रास्ते की बात रखी। इस पर उपजिलाधकारी मिल्कीपुर दिग्विजय सिंह ने अपने मातहत कानूनगो तथा लेखपाल को पैमाइश कर भूमि की यथास्थिति की जानकारी लेकर विवाद को सुलझाने का निर्देश दिया। व्यापारी उमेश कुमार का कहना है कि मेरा मकान 50 वर्षों से बना हुआ है तथा आगे ग्राम समाज की जमीन है। जिसके लिए हमें सड़क पर निकलने का 30 फीट का मार्ग चाहिए। बाउंड्री बन जाने से मेरे घर को आने जाने का रास्ता पूरी तरह बंद हो जाएगा।

दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र के बाकरपुर गांव के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार . रात लगभग साढ़े नौ बजे पटरंगा थाना क्षेत्र के बाकरपुर मजरे रानीमऊ गांव के समीप एक बाइक सवार अयोध्या की ओर जा रहा था कि पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो कर हाइवे पर ही गिर गया। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए सीएचसी मवई भेजवाया, जहां पर इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान उसकी जेब में रखे आधार कार्ड से 42 वर्षीय सहदेव यादव पुत्र हौसिला प्रसाद यादव निवासी रसूल पुर मजरे कुशहरी थाना मवई जनपद अयोध्या के रूप में हुई। घटना की जानकारी होने पर रूदौली विधायक रामचंद्र यादव ने मौके पर पहुंच कर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया व हर सम्भव मदद दिलवाने का भरोसा दिलाया।

मादक पदार्थ के साथ दो गिरफ्तार

मिल्कीपुर–अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडे के दिशा निर्देश में अपराधी पर रोकथाम एवं अपराधियों की पकड़ धड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इनायत नगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लग गई है। प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र से दो लोगों को भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को पुलिस टीम थाने ले आई जहां उनके विरुद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया है। हालांकि मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किए गए दोनों युवक शातिर अपराधी हैं जिनका काफी लंबा–चौड़ा आपराधिक इतिहास भी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम थाना क्षेत्र में विशेष भ्रमण चेकिंग संदिग्ध वाहन व्यक्ति में मशगूल थी। इसी बीच एक संदिग्ध युवक पुलिस टीम के हत्थे चढ़ गया पकड़े गए युवक की पुलिस टीम ने सघन तलाशी ली तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से 30 ग्राम अवैध डायजापाम नशीला पदार्थ बरामद हुआ पुलिसिया पूछताछ के दौरान पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम पता बैजनाथ उर्फ पल्लू पुत्र नन्हकू निवासी ग्राम सारी थाना इनायतनगर बताया।

इसके अलावा इनायत नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहगंज चौकी पुलिस टीम चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक जय किशोर अवस्थी हमराही सिपाहियों की टीम के साथ थाना क्षेत्र में गश्त पर थे इसी बीच एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस टीम के हाथ लगा पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्ति को रोककर जामा तलाशी ली तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से 11 सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम मुरली चौहान पुत्र स्व रामचन्दर चौहान निवासी ग्राम लोनिया चौराहा शाहगंज थाना इनायतनगर बताया। पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को पुलिस टीम थाने ले आई जिनके विरुद्ध 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में शाहगंज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक जय किशोर अवस्थी के अलावा चौकी प्रभारी बारुन उपनिरीक्षक अमित कुमार के साथ कांस्टेबल बसंत यादव एवं अच्युतानंद यादव, ऋषभ कटियार एवं टार्जन बाबू शामिल रहे।

समयानुसार संपन्न होगा विश्वविद्यालय का शिक्षा सत्रः कुलपति

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज में कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के कुशल एवं सजग प्रशासनिक कार्य क्षमताओं के परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय में संचालित समस्त कक्षाओं की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा (बीएससी प्रथम वर्ष को छोड़कर) समयानुसार संपन्न करा दी गई है। तथा वर्तमान में अगले सेमेस्टर हेतु कोविड–19 संक्रमण को ध्यान में रखते हुए कुलपति महोदय के दिशा निर्देशन एवं देखरेख में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही है । विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि कोविड संक्रमण की गाइडलाइन का पालन करते हुए गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी समयानुसार पाठ्यक्रम चलाकर प्रदेश में सबसे पहले प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा करा ली गई है।

बीएससी प्रथम वर्ष में आईसीआर द्वारा नामित छात्रों का अभी तक प्रवेश होने से परीक्षा नहीं कराई जा सकी, अब वर्तमान में प्रवेश बंद हो चुके हैं शीघ्र ही पाठ्यक्रम पूरा कर इनकी भी परीक्षा करा ली जाएगी। विगत 2 वर्षों से समयानुसार शिक्षा सत्र संचालित करने का प्रदेश में रिकॉर्ड स्थापित करते हुए, इस वर्ष भी समयानुसार शिक्षा सत्र संचालित कर प्रदेश में सर्वप्रथम परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए विश्वविद्यालय वचनबद्ध एवं संकल्पित है।

इस बार अॅनलाइन नामांकन भी कर सकेंगे विधान सभा निर्वाचन के प्रत्याशी, भारत निर्वाचन आयोग ने जारी किया लिंक

गोंडा।जिला निर्वाचन अधिकारीधजिला मजिस्ट्रेट मार्कंडेय शाही ने बताया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ऑनलाइन पद्धति से नामांकन करने हेतु अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ऑनलाइन नामांकन हेतु वेब लिंक उपलब्ध है, ऐसे अभ्यर्थी जो ऑनलाइन पद्धति से नामांकन करना चाहते हैं वह दिए गए लिंक के माध्यम से नामांकन पत्र की प्रविष्टि कर सकते हैं एवं उसका प्रिंट निकाल कर प्रारूप–1 में रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निर्गत सूचना में इंगित स्थान पर नामांकन दाखिल कर सकते हैं। इसी प्रकार शपथ पत्र भी उपरोक्त लिंक के माध्यम से ऑनलाइन भर सकते हैं एवं प्रिंट आउट को नोटराइजेशन के पश्चात रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष दाखिल कर सकते हैं।

सिविल सिद्धार्थ बारः वार्षिक चुनाव के जांच में सभी प्रत्याशियों के पर्चे वैध,होगा घमासान

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के मुख्य चुनाव आयुक्त राम शंकर सिंह व रमेश कुमार पांडे और चुनाव अधिकारी नागेंद्र नाथ त्रिपाठी ने अध्यक्ष पद के लिए पांच वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए दो कनिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए एक महामंत्री पद के लिए तीन कोषाध्यक्ष पद के लिए तीन संयुक्त मंत्री सूचना प्रसारण के लिए दो संयुक्त मंत्री प्रशासनिक के लिए दो वरिष्ठ कार्यकारिणी के लिए एक कनिष्ठ कार्यकारिणी के लिए चार लोगों ने अपना पर्चा दाखिल किया जो सभी जांच में वैध पाए गए। 27 जनवरी को होने वाले मतदान में अध्यक्ष पद के लिए सर्व राम शंकर पांडे राधेश्याम मिश्रा जमील अहमद सिद्दीकी अंजनी कुमार दुबे व सत्य प्रकाश श्रीवास्तव के मध्य जहां संघर्ष होगा वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष के आमने सामने की लड़ाई में सर्व रामचंद्र चौधरी और जय प्रकाश मिश्रा उम्मीदवार हैं। महामंत्री पद के लिए एक पद के लिए त्रिकोणीय सर्व सिद्ध नाथ पांडे राजेश कुमार मिश्र एवं दिव्यप्रकाश शुक्ल के मध्य होगा कोषाध्यक्ष पद के लिए लड़ाई त्रिकोणीय होगी जिसमें भाग्य आजमाने उतरे सर्व सच्चिदानंद झा विजय कुमार शुक्ल रविशंकर शुक्ल के मध्य टक्कर होगी संयुक्त मंत्री सूचना प्रसारण के लिए आमने सामने की लड़ाई में सर्व शेषमणि प्रजापति व सचिन श्रीवास्तव हैं वहीं संयुक्त मंत्री प्रशासनिक पद पर सर्वश्री अवनीश कुमार द्विवेदी व अंकित चौधरी के मध्य वोटों के लिए संघर्ष होगा। बार में कुल 22 पद हैं जिस की लड़ाई में इस बार 23 लोगों ने नामांकन दाखिल किया है । उपाध्यक्ष पद के 2 पदों के लिए किसी ने भी पर्चा दाखिल नहीं किया। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के छः पदों के लिए केवल एक ने और कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के छः पदों के सापेक्ष चार लोगों ने नामांकन किया है जिसके कारण उपाध्यक्ष के दो पद पर्चा दाखिल न करने के कारण रिक्त हो गए हैं वहीं संयुक्त मंत्री पुस्तकालय पर भी किसी ने पर्चा नहीं दाखिल किया है कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर पवन चंद सुख वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य नफीस हैदर व कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य रामनारायण त्रिपाठी मनीष मणि त्रिपाठी संतोष कुमार मिश्र व राजेश कुमार भट्ट के निर्विरोध निर्वाचित होने की संभावना है अब मुकाबला केवल अध्यक्ष वरिष्ठ उपाध्यक्ष महामंत्री कोषाध्यक्ष संयुक्त मंत्री के एक एक पदों के लिए ही होगा प्रत्याशी पर्चे की जांच के बाद अपने अपने मतदाताओं को रिझाने हेतु अपने अपने अभियान में जुड़ गए हैं।

आगामी चुनाव को लेकर एसएसबी व पुलिस ने किया पैदल गस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश
जोगिया/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के जोगिया थाना अंतर्गत क्षेत्राधिकारी बांसी देवी गुलाम सिंह और थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज की अगुवाई में आगामी बिधान सभा चुनाव को देखते हुए पुलिस और एसएसबी ने किया पैदल गस्त।पैदल गस्त में प्रशासन ने सभी को दिलाया सुरक्षा का एहसास साथ ही साथ दंगे फसाद से दूर रहने की बात कही ।जोगिया थाना प्रभारी दिनेश कुमार सरोज अपनी पुलिस टीम व 44 बटालियन एसएसबी फोर्स के साथ ऐरिया डोमिनेशन किया कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए निर्भीक होकर निष्कक्ष मतदान करने के लिए भी अपील की। जोगिया उदयपुर, सुपा राजा चौराहा सहित कई बाजारों कस्बो में किया गया एरिया डोमिनेशन।

भक्तों ने निकाला माँ बनैलिया का भव्या शोभायात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश
नौतनवां। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल युवा जिला अध्यक्ष संतोष अग्रहरि के नेतृत्व में श्री श्री मां बनैलिया शोभायात्रा में माता जी को फूल का माला पहना कर, भगवान शंकर जी को माला पहनाकर पंचमुखी बजरंगबली माला पहनाकर ,भोग लगाकर आरती किया गया। माता जी की शोभायात्रा में आए हुए सभी भक्तजनों को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रसाद वितरण का कार्य किया गया इसमें मुख्य रूप से युवा जिला संरक्षक पंकज श्रीवास्तव, डॉ राजीव शर्मा, अनिल श्रीवास्तव, किशन खेतान, मनोज अग्रवाल, राजा वर्मा ,नगर अध्यक्ष संतोष जायसवाल, मनोज कसौधन, रोहित जयसवाल, संत जयसवाल, एवम तमाम पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

बांसी क्षेत्र में पुलिस और एस एस बी के जवानों ने किया जगह पैदल गस्त, चुनाव से पूर्व तैयारी शुरु की

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। जिले में आगामी विधानसभा 2022 चुनाव को संकुशल संपन्न कराने को लेकर जनपद के प्रशासनिक अधिकारीयों ने चुनाव से पूर्व तैयारी शुरु कर दी वही पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के निर्देशन पर निरन्तर पुलिस और एस एस बी के जवान जगह पैदल गस्त कर रहे उसी क्रम में थाना कोतवाली बांसी क्षेत्र के विभिन्न चौराहे व कस्बो मे ज्वांइन मजिस्ट्रेट और पुलिस क्षेत्राधिकारी के अगुआई में पुलिस और एसएसबी की 44 बटालियन फोर्स ने पैदल मार्च कर एरिया डोमिनेशन किया। बांसी कोतवाली निरीक्षक संजय मिश्रा के साथ सब इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार एसएसबी नरकटियागंज डिवीजन की टीम बांसी कस्बा सहित कोतवाली क्षेत्र के काजीरुधौली नरकटहा रानीगंज गोनहाताल तेलौरा मिठवल सहित बिभिन्न चौराहों कस्बो का भर्मण कर एरिया डोमिनेशन किया और दूसरी तरफ आमजनमानस से कोविड 19 का पालन करने के लिऐ पुलिस अपील कर रही साथ ही निर्भीक ,निष्पक्ष व स्वतंत्र रूप से मतदान करने की लोगो से अपील कर रही हैं वही मीडिया से बात करते हुए एसएसबी के सब इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार ने बताया कि नरकटियागंज की टीम हमारी सिद्धार्थनगर में रुकी हुई है बासी में 44 बटालियन लगाई गई है पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाया जा रहा है वही सीओ देवी गुलाम ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए एरिया डोमिनेशन किया जा रहा है और सभी लोगों से कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए निर्भीक होकर निष्पक्ष मतदान करने के लिए अपील की गई। बाइट–1–अश्विनी कुमार–सबइंस्पेक्टर एसएसबी नरकटियागंज डिवीजन बाईट–2–देवी गुलाम सिंह–पुलिस क्षेत्राधिकारी बांसी।

किशोरी के लापता होने से परिजन हो रहे है परेशान

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड उसका बाजार के ग्राम पंचायत केवटलिया में एक लड़का लापता हो किशोर का नाम अमित पांडेय पुत्र रमाकांत पांडेय उम्र 15 साल है वही परिजनों का कहना है कि किशोर घर से साइकिल लेकर सुबह ही निकला था और तब से घर वापस नही आया परिजन ढूढते ढूढते परेशान हो गए है लेकिन अभी तक लड़के का पता नही चला लेकिन वही और वही उसका बाजार स्टेशन पर सिर्फ साइकिल ही मिला लेकिन लड़के का कोई पता नहीं चल पा रहा है परिजन लड़के को खोजने में लगे हुए है।

कडाके की ठन्ड में गरीबों का ख्याल रखें–अल्लामा अल्वी

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। प्रसिद्ध सूफी स्कॉलर अल्लामा गुलाम अब्दुल काघदिर अल्वी सज्जादा नशीन खानकाह यारे अल्वीया बरांव शरीफ ने गरीबों को सर्दी से बचाने के लिए पैगाम देते हुए कहा कि सर्दी की रातें गरीबों के लिए बहुत भारी पड़ती हैं। बहुत से गरीब इन सर्दी की रातों में खुले आसमान के नीचे कांपते रहते हैं। हालांकि ऐसे कई लोग हैं, जो गरीबों की पीड़ा को समझते हुए नेक कार्य के लिए आगे आते हैं और गर्म कपड़े, कंबल आदि का वितरण कर लोगों को मानव सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। इस भीषण सर्दी में गरीबों और लाचारों की मदद से बड़ा कोई भी काम नहीं हो सकता. अल्लाह गरीबों की मदद करने वालों की कमाई में बरकत अता फरमाता है. अल्लामा आसिफ अल्वी अजहरी नायब सज्जादा नशीन ने कहा कि यह भी सत्य है कि बहुत से हमारे गरीब भाइयों तक मदद नही पहुंच पाती है ऐसे में जरुरी है कि हर आदमी अपने अपने पड़ोसी की जरुरत पर ध्यान दे और हर संभव मदद करे इस तरह हर जरुरतमंद तक मदद पहुंचाई जा सकती है,और यही इन्सानियत का सबसे बड़ा फर्ज है।

गोला मे विद्युत उपखण्ड कार्यालय का हुआ उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोला/गोरखपुर। गोला तहसील मुख्यालय के बगल में स्थित विद्युत उपकेन्द्र गोला पर बिजली संबधित समस्याओं के निराकरण के लिए उपखण्ड कार्यालय खोला गया है। जिसका बुधवार को अधिक्षण अभियंता रमेश चन्द्रा द्वारा विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के पश्चात चन्द्रा ने कहा कि बिजली से संबंधित कोई भी समस्याओं के समाधान के लिए उपभोक्ताओं को सिकरीगंज जाना पड़ता था। लेकिन यहा कार्यालय खोल दिए जाने से इस क्षेत्र के उपभोक्ताओं की बिजली समस्याओं का समाधान अब यही से हो जाएंगा। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधाओं को देखते हुए निर्णय लिया गया है। यहा हर समय सक्षम अधिकारी मौजूद रहेगें ताकि लोगों की समस्याओं का तत्काल निदान हो सके। एसडीओ सीबी चौरसिया ने कहा कि यहा उपखण्ड कार्यालय खुलने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। लोगो को अब परेशान होना नही पड़ेगा इस कार्यालय से गोला धुरियापार चीनी मिल आदि उपकेन्द्र के उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा।इस अवसर पर उपकेन्द्र गोला के अवर अभियंता शिवशंकर प्रसाद गौड़ ने सभी आगंतुक गणमान्यों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर मुकेश कुमार विजय शंकर अशोक कुमार प्रमोद कुमार रामानंद सहित आदि सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

समग्र व्यक्तित्व के थे धनी स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी केशभान राय

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोला/गोरखपुर। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, मशहूर शिक्षाविद, शिक्षाशास्त्री, गांधीवादी विचारक, पूर्व उप शिक्षामंत्री–केशभान राय जी का स्वभाविक जीवन सादगी, उदार मानसिक्ता, सरल भाषी, मृदुलता, शालीन क्रोध, आत्मीव संवेदना, ज्ञान –पिपासु और मुद्रा जैसे कारकों को एक साथ मिलाकर यदि कोई आकार गढ़ा तो कदाचित एक जीवित मानवता सम्मुख होती है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राय का जन्म01–09–1916 को गोरखपुर जिले के दक्षिणांचल में स्थित गोला बाजार के निकट गोला कौड़ीराम रोड पर पड़ौली से एक किलो मीटर पश्चिम गोपलापुर गांव में हुआ था। इनके पिता का नाम उदित राय व माता का नाम लखपत्ता देवी था। केशभान राय के पिता एक साधारण किसान और माता शालीन विचारधारा वाली गृहिणी थी।इनकी शिक्षा गोरखपुर में हुई। 1935 में जार्ज इस्लामिया कालेज से हाई स्कूल प्रथम श्रेणी, 1937 में सेन्ट एण्ड्रयूज कालेज से इन्टर द्वितीय श्रेणी से और 1939 में गणित, अंग्रेजी एंव दर्शनशास्त्र से आगरा वि०वि० से द्वितीय श्रेणी से स्नातक की उपाधि मिली। इनकी मौलिक पसंद शिक्षा थी। शिक्षा में भी शिक्षक–व्यक्तित्व को उन्होनें अधिक सम्मान दिया। शिक्षक की भूमिका समाज की सर्वोच्च भूमिका के रुप में इन्हें पसन्द थी। स्वयं वे मूलरूप से शिक्षक थे। ऋते ज्ञानान्न मुक्ति उनका आदर्श था। अपने आदर्श के प्रकाशन और मौलिकता के लिए 1939 में एक विद्यालय खोला। क्षेत्रीय प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए आनन्द विद्यापीठ की स्थापना किये जो उनकी स्मृति का जीवन्त प्रतीक है और यही उनकी समष्टि–चेतना का अंकुर बना। इनका समाजिक चिंतन इनके व्यक्तित्व–चिंतन से उपर था। इस विद्यालय में शिक्षा के साथ–साथ शारीरिक श्रम एव चरखा काटना सिखाया जाता था। विद्यालय में ही चरखे और करघे उपलब्ध थे। लघु दस्तकारी में थकरी, मोढा एंव दरी आदि की शिक्षा दी जाती थी। तथा इनसे प्राप्त सूतों को बेचकर गरीब छात्रछात्राओं की फीस जमा की जाती थी। इस विद्यालय में राष्ट्रीय भावना, भारतीय संस्कृति, आदर्श नागरिकता की शिक्षा दी जाती है। केशभान राय के आदर्श महात्मा गाँधी थे। गाँधी के असहयोग आन्दोलन से प्रभावित होकर उन्होनें देश सेवा हेतु अंग्रेजी हुकूमत का बहिष्कार किया। अपने शिष्यों– सहयोगीयों लाल जी राम त्रिपाठी, आदिनाथ पान्डेय, उमराव राय, रामबचन त्रिपाठी एंव विश्वनाथ आदि के साथ विद्यालय के निकट टेलीफोन का तार काट दिये। तार काटने के जुर्म में अंग्रेजी सरकार के किसी दरोगा ने 22 मार्च सन् 1942 को उनका घर फूंक दिया। केशभान राय और उनके एक भाई चन्द्रभान राय तो फरार हो गये किन्तु दुसरे भाई उदयभान राय और उदित गिरफ्तार कर लिए गये। भाई और पिता को केन्द्रीय कारागार गोरखपुर में छरू महीना का सजा काटना पडा। सन् 1942 से 1945 के बीच गाँधी जी के आग्रह पर इलाहाबाद में केशभान राय हाजिर हो गये। और कई बार जेल गये। 1947 की आजादी के बाद राजनीतिक प्रेरणा स्रोत के रुप रहे में हरीशंकर गुप्ता गोरखपुर जिला परिषद के अध्यक्ष के प्रेरणा और सहयोग भावना से शक्ति लेकर केशभान राय ने जिला परिषद सदस्य हेतु सन् 1948 में पहला चुनाव लडे और विजयी हुये। 1952 में हरीशंकर गुप्ता के ही हार्दिकइच्छा से केशभान राय ने कांग्रेस के टिकट पर बांसगांव विधान सभा सीट से चुनाव लड़े और विजयी घोषित हुये। इस तरह से आजादी के बाद बांसगांव विधान सभा के प्रथम विधायक रहे। 1957 और 1962 में कांग्रेस के टिकट पर मगहर–सहजनवां क्षेत्र से विधायक रहे। सन् 1962 में चन्दभान गुप्ता के उत्तर–प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने पर उनके मंत्रिमण्डल में केशभान राय शिक्षा विभाग के उपमंत्री रहे। 1976 के चुनाव में सहजनवां क्षेत्र से रामकरन सिंह से चुनाव हारने के बाद केशभान राय ने राजनीति से संन्यास ले लिया। आजीवन अविवाहित रहने वाले केशभान राय सुख के कायल नहीं थे। वो कहते थे कि गुलाम देश में रहकर न तो मैं शादी करुगां और न ही जूता पहनूंगा। केशभान राय ने आजादी के बाद जूता तो पहना लेकिन शादी नहीं की। केशभान राय का धोती, कुर्ता, जैकेट और गाँधी टोपी प्रिय परिधान था। वे छरहरे कद और गेंहुआ रंग के थे। ये शुद्ध शाकाहारी भोजन करते थे। सादा जीवन, उच्च विचारष्उनका आदर्श था। उदार प्रकृति वाले राय समग्र दृष्टि मानवतावादी थी। कबीर के तरह घर फूंक कर तमाशा देखनें में उन्हें मजा आता था। राजनीतिक पेंशन आदि भी उनके द्वारा गरीबों, असाध्यों और दुरूखियों में बांट दिये जाते थे। राय साहब कभी भी पदों एंव पुरस्कारों से निरंतर परहेज किया। हाँ उनके घर एक ताम्रपत्र अवश्य मिला जिसमें उनके राष्ट्रीय व्यक्तित्व की प्रशस्ति की गयी है। अन्तिम दिनों में शारीरिक पीडा से त्रस्त थे। अज्ञात कैंसर रोग से पीड़ित उनका शरीर कृशतर होता जा रहा था। अंततः संजय गाँधी पी०जी०आई०लखनऊ में उनका इलाज हुआ। रोग अनियन्त्रित की स्थिति में 28 फरवरी 1991 को उनको अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया और वे अपने मृत्यु के एक पहले अपने पैतृक गांव गोपलापुर आ गये जहाँ पर उन्होनें 12 फरवरी सन् 1991 में अन्तिम सांस लिए।

प्रबंधक की पत्नी की मौत से बिद्यालय में शोक

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। छावनी क्षेत्र के उर्मिला शिक्षा शान्ति निकेतन इण्टर कालेज (रामरेखा) अमोढ़ा के प्रबंधक तेज बहादुर सिंह की धर्मपत्नी उर्मिला सिंह का बुधवार को मुम्बई में इलाज के दौरान मौत हो गयी जो विगत काफी दिनों से एक गम्भीर बिमारी से पीड़ित थी उनकी मौत से उर्मिला विघालय पर प्रधानाचार्य संजय सिंह ने गुरूवार को शोकसभा किया इस मौके पर शिक्षक घनश्याम यादव, राधारमण पाण्डेय ,ओंकार सिंह मौजूद रहे तथा उनके पैतृक गांव पूरेहेमराज में परिवार के संतोष सिंह, जंगबहादुरसिंह, रन बहादुर सिंह, अवनीश ,विकास व जि० पं० सदस्य प्रवीण सिंह ने शोक संवेदना व्यक्त किया।

सम्पादकीय

हालांकि, भारत पाक के रिश्तों में ज्यादा जटिलताएं हैं, उनका समाधान इतना आसान भी नहीं है। लेकिन इसके बावजूद दोनों देश हमेशा के लिये यु) व टकराव के साथ आगे नही बढ़ सकते। भारत कई बार कह भी चुका है कि घात व बात साथ-साथ नहीं चल सकते। इसके बावजूद पाक यदि कश्मीर में भारतीय संप्रभुता...

हकीकत से अक्ल

पिछले दिनों पाकिस्तान ने अपनी पहली राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की बानगी मीडिया के जरिये पेश की। एक अधिकारी द्वारा मीडिया को उपलब्ध यह जानकारी भू-आर्थिकी पर केंद्रित थी। फिर गत शुक्रवार को पाक प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के कुछ दस्तावेज सार्वजनिक किये। उल्लेखनीय है कि यह जानकारी उस दिन सार्वजनिक हुई, जिस दिन पंजाब पुलिस ने भारत-पाक सीमा पर पांच किलो विध्वंसक आरडीएक्स बरामद किया। उससे कुछ दिन पहले कश्मीर में एक पाक आतंकवादी को मार गिराया गया था। बहरहाल, भारत की जिज्ञासा इस बात को लेकर है कि क्या पाक की कथित भू-आर्थिक धुरी में कश्मीर व पंजाब में लगातार जारी अलगाववादी नीतियों को त्यागा जायेगा? दरअसल, अफगानिस्तान में सोवियत हस्तक्षेप के बाद पाक लगातार भू-राजनीतिक समीकरणों के जरिये अपनी रक्षा क्षमताओं को उन्नत करता रहा है। फिलहाल भी रक्षा तैयारियों में संलिप्त है और समुद्री गतिविधियां भी बढ़ा रहा है। जाहिर है इन तैयारियों के केंद्र में भारत ही रहा है। इतना ही नहीं, जिस प्रतिगामी व खतरनाक विचारधारा को पाक में प्रश्रय दिया जाता रहा, वह भारत में हिंसक संघर्ष को ही बढ़ावा देती रही है। बहरहाल, अब जब पाक की अर्थव्यवस्था मरणासन्न अवस्था में है, तो अर्थव्यवस्था पर ध्यान देना लाजिमी है। आज अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं उसे ऋण देने में परहेज कर रही हैं। सर्वविदित है कि दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को लेकर खुद पाक का रवैया आक्रामक रहा है। इस आक्रामकता को कम करने के बजाय उलटे पाक भारत पर पूर्व की ओर कनेक्टिविटी को बंधक बनाने का आरोप लगाता रहा है। बहरहाल, वास्तविकता को सिर्फ बयानबाजी से नहीं झुठलाया जा सकता। यह दुनिया जानती है कि भारत अफगानिस्तान में भूख से जूझते लोगों को खाद्यान्न भेजना चाह रहा है, लेकिन पाक ने अपनी सीमा से होकर सहायता सामग्री भेजने पर दो माह से फैसला नहीं लिया। साफ है कि यदि पाक भारतीय उपमहाद्वीप में स्वतंत्र बाजार के लिये अपने व्यवसायों के रास्ते बंद रखता है तो भू-आर्थिक नीति के लक्ष्य शायद ही पूरे हो पायें। निस्संदेह, किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के उत्थान के लिये सतत और समावेशी आर्थिक विकास की जरूरत होती है। उसके लिये उग्रवाद व संप्रदायवाद के खिलाफ संकल्प लेने की जरूरत है। शांति की स्थापना के बाद ही व्यापार-कारोबार को बढ़ावा मिल सकता है। एक तरफ कारोबार और दूसरी तरफ आईएसआई का वार, साथ-साथ नहीं चल सकता। बहरहाल, पाक ने अभी नई राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के पूरे पत्ते नहीं खोले हैं, मगर आर्थिक संबंधों में सुधार विश्वास व सकारात्मक दृष्टिकोण से ही संभव है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में जो बात उम्मीद जगाती है वह यह कि पाक भारत के साथ आगामी सौ साल तक शांति बनाये रखना चाहता है। इस पंचवर्षीय राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में भारत से रिश्ते सुधारने व व्यापार को बढ़ाने के साथ ही कश्मीर विवाद को किनारे रखने की बात भी सामने आती है। यानी सकारात्मक बातचीत के साथ सहयोग व व्यापार बढ़ाने की बात कही गई है। यदि पाक वाकई यह ईमानदारी से कह रहा है तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। दरअसल, कहीं न कहीं पाक चीन की नीति का अनुसरण कर रहा है। वह यह कि भारत-चीन सीमा पर विवाद के साथ दोनों देशों का कारोबार सौ अरब डॉलर पार कर चुका है। चीन के साथ हालिया विवाद के बावजूद दोनों देशों के व्यापार में वृद्धि ही हुई है।

कविता
जीवन

प्रति-पल कर रहा संघर्ष हमारा जीवन
कष्टमय होते हुए भी लगे प्यारा जीवन ।

रोटी,कपड़ों की जरूरत के लिए घर छोड़ा
दर-ब-दर हम तो भटकते रहे सारा जीवन ।

कामनाओं के हसीं गहरे भंवर में फंसकर
डूब जाता है, नहीं पाता किनारा जीवन ।

वह कलंदर या सिकंदर ही रहा हो कोई!
जीत ली दुनिया, मगर मौत से हारा जीवन।

मर गया, फिर भी अमर नाम है जग में उसका
जिसने परहित में सदा जग में गुजारा जीवन।

कर्म जीवन में अगर नियाज करोगे अच्छे
फल भी अच्छे ही तुम्हें देगा, तुम्हारा जीवन।

सिद्धार्थनगर।
नियाज कपिलवस्तुवी/
दैनिक बुद्ध का संदेश

उनके जाने से सूना हुआ कथक का आंगन

पद्मविभूषण से नवाजे जाने से पहले पंडित जी को संगीत नाटक अकादमी सम्मान और कालीदास सम्मान समेत तमाम प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मानित किया गया। लेकिन वह हमेशा यही कहते कि हमारा सबसे बड़ा सम्मान लोगों का प्यार है। फिल्म देवदास के मशहूर डांस सीक्वेंस काहे छेड़े मोहे... के बारे में बात करते हुए वह माधुरी दीक्षित को एक बेहतरीन कलाकार बताते थे। वे कहते थे कि माधुरी को इस...

अतुल सिन्हा

16 जनवरी, 2022 की रात करीब बारह-सवा बारह बजे का वक्त। दिल्ली के अपने घर में पंडित जी अपनी दो पोतियों रागिनी और यशस्विनी के अलावा दो शिष्यों के साथ पुराने फिल्मी गीतों की अंताक्षरी खेल रहे थे। हंसते-मुस्कराते, बात-बात पर चुटकी लेते पंडित जी को अचानक सांस की तकलीफ हुई और कुछ ही देर में वह सबको अलविदा कह गए। आगामी 4 फरवरी को 84 वर्ष के होने वाले थे। बेशक उन्हें कुछ वक्त से किडनी की तकलीफ थी, डायलिसिस पर भी थे, लेकिन उनकी जीवंतता और सकारात्मकता अंतिम वक्त तक बरकरार थी। पंडित जी में आखिर ऐसा क्या था जो उन्हें सबका एकदम अपना बना देता था? कथक को दुनियाभर में एक खास मुकाम और पहचान दिलाने वाले पंडित जी आखिर कैसे एक संस्था बन गए थे और कैसे उन्हें नई पीढ़ी भी उतना ही प्यार और सम्मान देती थी? इसके पीछे थी उनकी कभी न टूटने वाली उम्मीद। कुछ साल पहले उनके साथ हुई मुलाकात के दौरान ऐसी कई यादगार बातें पंडित जी ने कहीं। वे कहतेदृ कथक और शास्त्रीय नृत्य का भविष्य उज्ज्वल है, इसकी संजीदगी और भाव-भंगिमाएं आपको बांध लेती हैं। नई पीढ़ी को इसकी बारीकी समझ में आ रही है और बड़ी संख्या में देश-विदेश में बच्चे कथक सीख रहे हैं। वह यह भी बताते थे कि कैसे कथक मुगलों के जमाने से सम्मान पाता रहा, भारतीय नृत्य और संगीत की परंपरा कितनी पुरानी है और कैसे उनके वंशज आसफुदौला से लेकर नवाब वाजिद अली शाह के दरबार में राज नर्तक और गुरु थे। उनके दादा कालिका महाराज और उनके चाचा बिंदादीन महाराज ने मिलकर लखनऊ के कालिका-बिंदादीन घराने की नींव रखी। बातचीत में अक्सर पंडित जी अपने पिता अच्छन महाराज के अलावा अपने चाचा लच्छू महाराज और शंभु महाराज का जिक्र करते थे। तीन साल के थे तभी पिता अच्छन महाराज ने उनमें ये प्रतिभा देखी और नृत्य सिखाने लगे। नौ साल के होते-होते पिता का साया उठ गया तो चाचा लच्छू महाराज और शंभु महाराज ने उन्हें शिक्षा दी। एक दिलचस्प किस्सा भी पंडित जी ने बताया था कि जिस वार्ड में उनका जन्म हुआ, उसमें उस दिन वे अकेले बालक थे, बाकी लड़कियां। सबने तभी कहा कि कृष्ण-कन्हैया आया है साथ में गोपियां भी आई हैं। ऐसे में नाम रखा गया बृजमोहन, जो बाद में बिरजू हो गया। अपने जीवन से जुड़े ऐसे कई दिलचस्प किस्से पंडित जी सुनाया करते थे। वह यह भी कहते कि नर्तक सिर्फ नर्तक नहीं होता, उसे सुर की समझ होती है, संगीत उसके रग-रग में होता है। संगीत और नृत्य को कभी अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। इसलिए पंडित बिरजू महाराज बेहतरीन गायक भी थे, शानदार तबलावादक भी थे और तमाम तरह के तार और ताल वाद्य वे बजा लेते थे। अपने घराने की खासियत पंडित जी कुछ इस तरह बताते थेदृ बिंदादीन महाराज ने करीब डेढ़ हजार ठुमरियां रचीं और गाईं, कथक की इस शैली में ठुमरी गाकर भाव बताना इसी शैली में आपको मिलेगा। तत्कार के टुकड़ों श्ता थई, तत थई कोच भी कई शैलियों और तरीकों से नाच में उतारा जाता है। कथक के तकनीकी पहलुओं पर आप उनसे घंटों बात कर सकते थे। नृत्य में आंखों का इस्तेमाल, भाव-भंगिमाएं और पैरों की थिरकन और हाथों की मूवमेंट के बारे में उनसे बैठे-बैठे बहुत कुछ समझ सकते थे। एक खास बात और जो वह बार-बार कहते थे कि नृत्य को कभी लड़का या लड़की की सीमा में बांध कर नहीं देखना चाहिए। ये सोच बदलनी चाहिए कि शास्त्रीय नृत्य सिर्फ लड़कियों के लिए है। जिसके अंदर लचक है, सुर की समझ है, संवेदनशीलता है, भाव-भंगिमाएं हैं वह नाच सकता है। शायद इसी लिए पंडित बिरजू महाराज को एक संस्था कहा जाता है। पंडित जी ने कई नृत्य शैलियां भी विकसित कीं और नए-नए प्रयोग किए। चाहे वह माखन चोरी हो, मालती माधव हो या फिर गोवर्धन लीला। इसी तरह उन्होंने कुमार संभव को भी उतारा और फाग बहार की रचना की। मात्र तेरह साल के थे तभी दिल्ली के संगीत भारती में नृत्य सिखाने लगे थे। भारतीय कला केन्द्र से लेकर कथक केन्द्र तक वह लगातार संगीत और नृत्य की शिक्षा देते रहे। 1998 में कथक केन्द्र से रिटायर होने के बाद पंडित जी ने दिल्ली के गुलमोहर पार्क में अपना केन्द्र खोलादृ कलाश्रम कथक स्कूल। देश-विदेश में पंडित जी ने हजारों प्रस्तुतियां दीं। कोई भी संगीत और नृत्य समारोह पंडित बिरजू महाराज के बगैर खाली खाली-सा लगता था। स्पिक मैके के तमाम आयोजनों में नए बच्चों के बीच अक्सर पंडित जी घुल-मिलकर बातें करते और कथक के बारे में बताते। पद्मविभूषण से नवाजे जाने से पहले पंडित जी को संगीत नाटक अकादमी सम्मान और कालीदास सम्मान समेत तमाम प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मानित किया गया। लेकिन वह हमेशा यही कहते कि हमारा सबसे बड़ा सम्मान लोगों का प्यार है। फिल्म देवदास के मशहूर डांस सीक्वेंस काहे छेड़े मोहे... के बारे में बात करते हुए वह माधुरी दीक्षित को एक बेहतरीन कलाकार बताते थे। वे कहते थे कि माधुरी को इस नृत्य में जो भाव-भंगिमाएं और आंखों की अदा हमने एक-दो दफा बताई और उन्होंने इसे लाजवाब तरीके से कर दिखाया। बाद में उन्होंने दीपिका पादुकोण की फिल्म बाजीराव मस्तानी के मशहूर डांस सीक्वेंस का निर्देशन किया दृ मोहे रंग दो लाल। शतरंज के खिलाड़ी में भी पंडित जी के दो डांस सीक्वेंस थे।

एनडीए कार्यकाल के शुरुआती बजटों में भ्रष्टाचार विरोधी और गरीबी उन्मूलन उपायों पर जोर दिया गया था, जबकि नियम-आधारित शासन स्थापित करने की दिशा में छोटे कदम उठाए गए, जो अपवाद-आधारित शासन में संचालित सात दशकों के परंपरागत तरीकों के विपरीत थे। ये परंपरागत तरीके कोयला खदानों और स्पेक्ट्रम की नीलामी आदि के जरिये एक ऐसा इकोसिस्टम बनाते थे, जो...

एनडीए का बजट मंत्रः
सुधार, परिवर्तन, प्रदर्शन

अनिल पद्मनाभन

अब से कुछ सप्ताह के बाद, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का 10 वां केंद्रीय बजट पेश करेंगी। बजट-पूर्व परिदृश्य से पता चलता है कि केंद्रीय बजट, यह देखते हुए कि कोविड-19 का खतरा वापस आ गया है, जीवन बनाम आजीविका के संतुलन पर अपने ध्यान को केंद्रित रखना जारी रखेगा। सतत विकास पर नजर रखते हुए उद्यमिता की भावनाओं को और अधिक अवसर देने तथा उन्हें प्रेरित करने के साथ ही विभिन्न नई योजनाओं के अनावरण किए जाने की भी उम्मीद है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केंद्रीय बजट पर उद्यम पूंजीदाताओं और निजी इच्टिी निवेशकों के एक समूह के साथ आयोजित पहली गोलमेज बैठक में इस आशय का संकेत मिलता है। खासतौर पर तब, जब प्रधानमंत्री ने वैश्विक पूंजी की सर्वाधिक प्रमुख हस्तियों से श्कारोबार करने में आसानीय को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक अभिनव विचारों के बारे में जानकारी ली थी। जाहिर है, इसमें एक योजना मौजूद है। वास्तव में, यह मोदीनॉमिक्स का प्रमुख संकेत रहा है। लेकिन कभी-कभी अप्रत्याशित घटनाक्रम सुचारु रूप से चल रही कार्यप्रणाली में कई बाधाएं खड़ी कर देते हैं, तथापि एनडीए को योजना ही न होने के लिए दोष नहीं दिया जा सकता है। सरसरी तौर पर नजर डालने से पता चलता है कि शासन और विकास दोनों के लिए एक नई वास्तुकला विकसित की जा रही है और इसके लिए प्रत्येक बजट क्रमिक रूप से निर्माण-कार्य को पूरा कर रहा है। वैश्विक आर्थिक व्यवधानों या हाल ही में कोविड-19 महामारी से हुए नुकसान को कम से कम करने के उपायों के साथ-साथ उक्त सभी कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

एनडीए कार्यकाल के शुरुआती बजटों में भ्रष्टाचार विरोधी और गरीबी उन्मूलन उपायों पर जोर दिया गया था, जबकि नियम-आधारित शासन स्थापित करने की दिशा में छोटे कदम उठाए गए, जो अपवाद-आधारित शासन में संचालित सात दशकों के परंपरागत तरीकों के विपरीत थे। ये परंपरागत तरीके कोयला खदानों और स्पेक्ट्रम की नीलामी आदि के जरिये एक ऐसा इकोसिस्टम बनाते थे, जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता था। अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए उठाए गए कदमों में 2016 में किए गए उच्च मूल्य की मुद्राओं के विमुद्रीकरण एवं आधार को आयकर पैन से जोडने और सार्वजनिक सामानों एवं सेवाओं की लक्षित आपूर्ति शुरू करने सहित अवैध धन के खिलाफ कार्रवाई शामिल है। सार्वजनिक सामानों एवं सेवाओं की लक्षित आपूर्ति के लक्ष्य को जाम (जनधन, आधार और मोबाइल) के संक्षिप्त नाम वाले एक डिजिटल ढांचे का लाभ उठाते हुए हासिल किया गया था। बदले में, इसका दोहरा फायदा हुआ। पहला, जाम की तिकड़ी ने प्रत्येक लाभार्थी के लिए एक आर्थिक जीपीएस को संभव बनाया जिसने सब्सिडी वाली रसोई गैस, ग्रामीण रोजगार सुरक्षा जाल, किसानों को आय सहायता और कोविड-19 संबंधी राहत सहित कई सामाजिक सुरक्षा भुगतानों की लक्षित आपूर्ति सुनिश्चित की। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के परिणामस्वरूप मार्च 2020 के अंत में राजकोष में कुल 1.7 ट्रिलियन रुपये की बचत हुई। दूसरा, इसने स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के एक युग्म के केंद्र के रूप में श्आधारय्, जोकि देश के सभी निवासियों को जारी की गई 12-अंकों वाली विशिष्ट पहचान है, के साथ भारत में डिजिटल तरीकों के एक नए सेट का शुभारंभ भी किया। यह ठीक वही चीज थी, जिसने भुगतान का आधार बनी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस या यूपीआई को इस कैलेंडर वर्ष में एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के लेन-देन का रिकॉर्ड दर्ज करने में सक्षम बनाया। सिर्फ यूपीआई ने ही फिनटेक क्रांति को बढ़ावा नहीं दिया है, बल्कि अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क, जोकि छोटे और मध्यम उद्यमों के नकदी प्रवाह डेटा को जमानत-मुक्त ऋण तक पहुंचने में मदद देगा, के निर्माण के उद्देश्य से अंतर्निहित प्रौद्योगिकियों के युग्म का लाभ उठाने वाले नवाचार वित्तीय समावेशन में अभूतपूर्व गति से तेजी ला रहे हैं। इन नए डिजिटल तरीकों का एक महत्वपूर्ण पहलू भारतीय अर्थव्यवस्था को औपचारिक रूप देने पर जोर देना है। फिलहाल तीन-चौथाई से अधिक भारतीयों के पास बैंक खाता है, जोकि औपचारिक होने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। औपचारिक होने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा कदम वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरुआत थी, जिसने पहली बार देश को आर्थिक रूप से एकीकृत किया। रातोंरात, भारत जटिल अप्रत्यक्ष करों के चक्रव्यूह से निकलकर श्एक देश, एक कस्च की ओर बढ़ गया। तथ्य यह है कि राज्यों और केंद्र सरकार द्वारा अपनी संप्रभुता को सहेजने की प्रक्रिया ने एक नई संघीय राजनीति-सहकारी संघवाद- की नींव भी रखी। साथ ही हाल के वर्षों में केंद्रीय बजट का उपयोग भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप एकदम नए सिरे से तय करने के बारे में संकेत देने के लिए किया गया है, जिसमें निजी उद्यमों की अब समान हिस्सेदारी है। जहां तक निजी उद्यमों का सवाल है, इनमें न केवल भारतीय कॉरपोरेट जगत, बल्कि तेजी से विकसित हो रहे स्टार्ट-अप्स और छोटे उद्यम भी शामिल हैं।

कारोबार करने में और आसानीच सुनिश्चित करने के अलावा महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद पेश किए गए पहले बजट में एक अभूतपूर्व और साहसिक निर्णय लिया गया जिसके तहत यह घोषणा की गई कि सार्वजनिक क्षेत्र अब अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र नहीं रह गया है। बजट में फिर एक कदम और आगे बढ़कर यह घोषणा की गई कि सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) की परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण किया जाएगा, ताकि बुनियादी ढांचागत सुविधाओं या अवसंरचना में नए निवेश हेतु आवश्यक धनराशि का इंतजाम करने के लिए दुर्लभ पूंजी को जारी किया जा सके। उल्लेखनीय है कि देश में अपेक्षा के अनुरूप अवसंरचना न होने के कारण वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति में बड़ी बाधा उत्पन्न होती रही है जिस वजह से अर्थव्यवस्था के विकास की गति निरंतर तेज नहीं हो पा रही है।

याद किए गए समाजशास्त्र के जनक अगस्त काम्ट

रामजी सहाय पीजी कालेज के समाजशास्त्र विभाग में समाजशास्त्र के जनक अगस्त काम्ट की जयंती के अवसर पर वर्चुअल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर बृजेश कुमार पांडेय ने कहा कि अगस्त काम्ट एक मनीषी थे जिन्होंने बिखरे हुए समाज को एकजुट करने के लिए समाजशास्त्र जैसे विषय को बनाया। मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रोफेसर संगीता पांडेय ने कहा कि सर्वप्रथम 13 से 22 वर्ष आयु काल में इस युवा क्रांतिकारी ने समाज का अध्ययन वैज्ञानिक आधार पर करने की बात की। विज्ञान और वैज्ञानिक ज्ञान के आधार पर ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है। प्रोफेसर अनुराग द्विवेदी ने कहा कि समाजशास्त्र की उत्पत्ति में औद्योगिक क्रांति और फ्रांसीसी क्रांति से उत्पन्न स्थितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समानता, भाईचारा और स्वतंत्रता के मूल्यों से समाज में नए–नए परिवर्तन की स्थिति बनी। डीएवीपीजी कालेज आजमगढ़ के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डा.राकेश यादव ने कहा कि समाजशास्त्र का महत्व न केवल सैद्धांतिक है, अपितु व्यावहारिक भी है। डा. नीरज कुमार राय ने कहा कि 20 वर्ष की आयु में उत्पन्न विचारों के आधार पर अगस्त काम्ट ने पाजिटिव फिलासफी जैसे ग्रंथ की कालजयी रचना की। वे वैज्ञानिक विषय के साथ मानवतावादी विषय के पक्षधर रहे। संचालन डा. सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने किया।

लगातार बढ़ रहे पानी से किसानों की डूबी गेहूं की फसल

देवरिया। भलुअनी विकास खंड के छह गांवों की फसलें बढ़ रहे पानी के चलते डूब गई हैं, जिसके चलते किसान परेशान है। प्रशासनिक स्तर पर अभी तक केवल इंतजाम करने का आश्वासन मिला है। एक सप्ताह पूर्व हुई बारिश व ओला के बाद अब गड़ेर, पिपरडाड़ी, बहोर ध नौती, जमुना छापर, निविहवा, मझवलिया गांव के फसल पानी से डूब गई है। पानी लगातार खेतों में बढ़ता जा रहा है। किसानों का कहना है कि पानी का स्रोत दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यदि प्रशासन शीघ्र पानी का स्त्रोत रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो दर्जनों गांवों में पानी फैल जाएगा। किसान चंद्रभूषण शाही,अवनीश उपाध्याय,हरिलाल यादव,मायाशंकर सिंह, पूनकी सिंह, गिरिजेश सिंह, ध रुवदेव सिंह, मुसाफिर अंसारी सहित अन्य किसानों ने इसकी शिकायत तहसील प्रशासन से करते हुए फसल क्षतिपूर्ति की मांग की है। जिला कृषि अधिकारी मोहम्मद मुजम्मिल ने कहा कि कभी–कभी भूजल स्तर काफी ऊपर आ जाने के कारण ऐसी स्थिति तराई वाले इलाके में होती है, लेकिन यहां जलभराव होना शोध का विषय है। किसानों की फसलों का सर्वे कराया जाएगा। खेतों में अचानक जलस्तर बढ़ा है। बारिश के चलते ऐसा हो रहा है। जेसीबी से नाला बनाकर पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है। राजस्व कर्मियों से रिपोर्ट मांगी गई है।

सभी ब्लाकों में तैनात होंगे आक्सीजन स्टीवार्ड

कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए शुरुआती दौर में कोरोना संक्रमण के समय आक्सीजन की कमी को देखते हुए आक्सीजन के संसाधनों व आक्सीजन की उपलब्धता पर निगरानी रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग हर ब्लाक में आक्सीजन स्टीवार्ड की तैनाती करेगा। इसके लिए एक अस्पताल से चिकित्साधिकारी व एक स्टाफ नर्स के नाम का चयन करना है, जिन्हें आनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसकी तैयारी की जा रही है। जिले के 17 ग्रामीण क्षेत्रों में व शहर के तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आक्सीजन स्टीवार्ड की तैनाती होनी है। जिसमें एक डाक्टर व एक स्टाफ नर्स को तैनात करना है, जिसकी सूची तैयार की जा रही है। बहुत जल्द इसका प्रशिक्षण करा कर इन्हें तैनाती दे दी जाएगी। ये होगा कार्यः आक्सीजन का सही उपयोग, अस्पतालों में आक्सीजन के लिए प्रशिक्षित संबंधी उपकरणों के बारे में जानकारी देना और अधीनस्थ स्टाफ को प्रशिक्षित करेंगे। आक्सीजन की उपलब्धता के बारे में जिला मुख्यालय व अधिकारियों को जानकारी उपलब्ध कराएंगे। इसे आक्सीजन का व उपलब्ध आक्सीजन उपकरणों का सही व ठीक ढंग से इस्तेमाल हो सके इस लिए शासन ने यह कदम उठाया है। इससे मरीजों को काफी फायदा पहुंचेगा। डा. आलोक पांडेय, सीएमओ ने बताया कि सूची तैयार की जा रही है। आन लाइन प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर भी तैनात कर दिया गया है। बहुत जल्द प्रशिक्षण के बाद सभी ब्लाकों में आक्सीजन स्टीवार्ड की तैनाती कर दी जाएगी।

बूथ पर स्थापित किए जाएंगे सेल्फी प्वाइंट

महराजगंज। नौतनवा तहसील सभागार में एसडीएम राम सजीवन मौर्य की अध्यक्षता में क्षेत्र में विद्यालयों के चयनित कैंपस अंबेसडर, प्रधानाचार्यों व शिक्षक के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें मतदाताओं को मत के अधिकारी से जागरूक करना व शतप्रतिशत मतदान कराने का संकल्प लिया गया। एसडीएम ने कहा कि प्रत्येक कालेज के चार विद्यार्थियों को कैंपस अंबेसडर चयनित किया गया है। उनका उद्देश्य स्कूल के बच्चों, घर व आसपास के लोगों को पोस्टर, स्लोगन, भाषण, रंगोली आदि के माध्यम से मताधिकार के प्रति प्रेरित करना है। जिसमें महिलाओं, बुजुर्गों व दिव्यागों को पहली प्राथमिकता है। तहसीलदार मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों के चुनाव में 90 प्रतिशत वोटिग होती है, लेकिन विधानसभा चुनाव में 50–60 तक ही पहुंचती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि उनका थोड़ा सा प्रयास मतदान के प्रतिशत में बढ़ोतरी ला सकता है। क्षेत्र में 4108 बुजुर्ग व 2328 दिव्यांग मतदाता हैं। ऐसे मतदाताओं को बूथ तक लाना आवश्यक है। उन्होंने कहा बूथों पर सेल्फी प्वाइंट बनाया जाएगा। नौतनवा इंटर कालेज के प्रधानाचार्य मेजर जगदीश यादव, सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कालेज के प्रधानाचार्य जनमेजय सिंह, राजकीय हाईस्कूल विशुनपुरा प्रधानाचार्य भानू प्रताप, राजकीय हाईस्कूल गौहरपुर के प्रधानाचार्य कृष्ण मोहन सहाय, बालिका इंटर कालेज नौतनवा की शिक्षका प्रियंका यादव, क्राइस्ट द किग स्कूल के धीरेंद्र चौधरी आदि उपस्थित रहे।

विधायक बजरंग बहादुर व अमन मणि समेत छह को नोटिस

महराजगंज। आदर्श आचार संहिता व कोविड गाइडलाइन के उल्लंघन के आरोप में संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर ने विधायक बजरंग बहादुर, अमन मणि त्रिपाठी समेत छह लोगों को नोटिस जारी किया है। मीडिया प्रमाणन एवं मीडिया अनुवीक्षण समिति के नोडल प्रभारी अपर उपजिलाधिकारी महेंद्र कुमार व मो. जशीम ने बताया कि नौतनवा विधायक अमन मणि त्रिपाठी, फरेंदा विधायक बजरंग बहादुर सिंह, सपा नेता कृष्णभान सिंह सैंथवार, निर्मेश मंगल, अमित चौबे व गौरी शंकर गुप्ता को नोटिस तामील कराई गई है। उन्होंने बताया कि संबंधित सभी लोगों के फेसबुक, ट्विटर समेत अन्य सोशल मीडिया प्रोफाइल पर डाले गए वीडियो और फोटो समेत अन्य इंटरनेट मीडिया व समाचार माध्यमों से मिली जानकारी के आधार पर संबंधित आरओ के द्वारा यह कार्रवाई हुई है। नोडल प्रभारी ने बताया कि डीएम के निर्देशानुसार मीडिया प्रमाणन एवं मीडिया अनुवीक्षण समिति 24 घंटे कार्यरत है, जिसमें तीन पालियों में छह–छह लोगों को नियुक्त किया गया है, जो लगातार विभिन्न मीडिया माध्यमों की निगरानी कर रहे हैं।

तमंचे की नोंक पर युवक से 46 हजार की लूट

देवरिया। हाटा–गौरीबाजार मार्ग स्थित चोरखरी चौराहा पर सहज जनसेवा केंद्र पर काम करने वाले युवक से शाम बदमाशों ने तमंचे की नोंक पर 46 हजार रुपये लूट लिए। दो बाइक पर सवार पांच बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। भागते समय बदमाशों ने हवा में फायरिग कर दहशत फैला दी।

घटना के बाद लोग सहमे हुए हैं। ग्राम कतौरा के पूर्व प्रधान कृष्णकुमार राय की चोरखरी चौराहे पर सहज जनसेवा केंद्र है। शाम करीब पांच बजे केंद्र पर रविद्र यादव व निकेंद्र विश्वकर्मा बैठकर कार्य कर रहे थे। इसी दौरान दो बाइक पर सवार पांच बदमाश पहुंचे। दुकान के भीतर तीन बदमाश घुस गए और दो बदमाश बाइक पर ही बैठे रहे। एक बदमाश ने तमंचा निकाला और रविद्र यादव के कनपटी पर सटाकर काउंटर में रखे 46 हजार रुपये लूट लिए। दोनों युवकों ने बदमाशों का विरोध किया। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देते हुए फायरिग शुरू कर दी। इसके बाद बदमाश हाटा की तरफ भाग निकले। फायरिग की आवाज सुनकर घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंचे सीओ जिलाजीत व प्रभारी निरीक्षक अनिल पांडेय ने घटना की जानकारी ली। उन्होंने घटनास्थल से कुछ दूर पर स्थित एक निजी विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। बदमाशों की पहचान करने में पुलिस लगी है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

जिला अधिवक्ता संघ के अशोक दीक्षित अध्यक्ष व शक्तिधर मंत्री निर्वाचित

देवरिया। दीवानी न्यायालय परिसर में जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव को लेकर गहमागहमी का माहौल रहा। अधिवक्ता अशोक कुमार दीक्षित अध्यक्ष, शक्तिधर पांडेय उर्फ रोशन मंत्री और तरुण मणि त्रिपाठी वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए। एल्डर्स कमेटी के सदस्य आनंद शरण धर द्विवेदी व चुनाव अधिकारी रामेंद्र यादव की देखरेख में संघ भवन में सुबह आठ बजे से दो बजे के बीच मतदान हुआ। कुल 1568 में 1166 मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अशोक कुमार दीक्षित को 458 मत मिला। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी राम प्रसाद कुशवाहा को 84 मतों से पराजित किया। प्रतिद्वंदी राम प्रसाद कुशवाहा को 374, सुशील कुमार मिश्र को 253 व ओमहरिहर मिश्र को 39, बृजानंद प्रसाद 19 व विजय शंकर चौरसिया को आठ मत मिले। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर तरुण मणि त्रिपाठी को 409, प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव को 335, गिरिजेश कुमार दुबे को 262 व संजय कुमार चतुर्वेदी को 102 मत मिले। तरुण मणि ने प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव को 74 मत से पराजित किया। मंत्री पद पर शक्तिधर पांडे उर्फ रोशन ने 481 मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अरुण कुमार उपाध्याय को 299 मत से पराजित किया। अरुण कुमार उपाध्याय को 182, प्रकाश तिवारी निराला को 153, अर्जुन यादव को 139, वरुण कुमार सिंह बघेल को 104, रितेश कुमार मिश्र को 34 व सच्चिदानंद यादव को 68 मत मिले। उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए तीन लोग उम्मीदवार थे, जिसमें वरुण कुमार तिवारी व विष्णु कुमार जयसवाल विजयी घोषित किए गए। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर दुर्गेश कुमार तिवारी ने संदीप कुमार पांडेय को हराया। दुर्गेश को 566 व संदीप को 487 मत मिले। शेष पदों पर पूर्व में ही निर्विरोध निर्वाचन हो गया।

चोरी की बाइक व तमंचा के साथ दो गिरफ्तार, गए जेल

देवरिया। सदर कोतवाली पुलिस ने तमंचा व कुशीनगर जनपद से चुराई गई बाइक के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। सदर कोतवाली पुलिस भुजौली कालोनी की तरफ जांच के लिए निकली थी। भुजौली कालोनी तिराहा स्थित गैस गोदाम के पास पुलिस पहुंची थी कि रजला सेंटर की तरफ से एक ही बाइक से दो लोग आते दिखे। बाइक का नंबर दूसरे जनपद का देखकर पुलिस ने उन्हें रोका। पुलिस को देखकर दोनों बाइक छोड़कर भागने लगे तो उन्हें घेरकर पकड़ लिया। पकड़े गए युवक महबूब अंसारी पुत्र मजीद अंसारी के पास से पुलिस ने 12 बोर का तमंचा व एक कारतूस बरामद किया। वह गौरीबाजार के बखरा बाजार का रहने वाला है। दूसरा युवक कुशीनगर के कसया के कुरमोहटा गांव का रोशन अंसारी पुत्र रुस्तम अंसारी था। रोशन ने अपनी बाइक बताया, लेकिन कागजात नहीं दिखा सका। शक होने पर कड़ाई से पूछताछ करने पर रोशन ने चोरी की बात कबूली। उसने पुलिस को बताया कि हम दोनों ने कुशीनगर के हाटा के जगदीशपुर गांव से 12 दिसंबर 2021 को वैवाहिक कार्यक्रम से बाइक चुराई थी। बाइक का नंबर बदलकर चला रहे थे। पुलिस ने चालान एप के माध्यम से बाइक के चेचिस नंबर से जांच की तो पता चला कि बाइक राकेश पुत्र गुलाब निवासी जगदीशपुर पिड़रा, थाना हाटा कुशीनगर के नाम से है। इस मामले में हाटा थाने में बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज है। प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सिंह ने बताया कि तमंचा व चोरी की बाइक के साथ दो बदमाश पकड़े गए हैं। उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

मतदान के प्रति जन–जन को करें जागरूकः डीएम

महराजगंज। डीएम सत्येंद्र कुमार ने स्वीप अंबेसडर के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता जागरूकता व मतदान बढ़ाने के लिए जनपद में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की। कहा कि मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करें। डीएम ने कहा कि वे स्वीप अंबेसडर जो मतदाता बन चुके हैं, वे अपना वोट अवश्य डालें। इसके साथ–साथ सभी स्वीप कैम्पस अंबेसडर अपने विद्यालय के वयस्क साथी सहपाठियों व स्वजन से भी मतदान कराएं। इसके अतिरिक्त एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य जो स्वीप कैम्पस अंबेसडर को करना है, वह अपने विद्यालय या चयनित मतदान केंद्र को अपना केंद्र, सुंदर मतदान केंद्र बनाना है। इसके लिए आप लोग अपने सहपाठियों के साथ मिलकर स्वागत द्वार, सेल्फी प्वाइंट मतदान कक्ष की सजावट जैसे कार्य कर सकते हैं। इससे लोग मतदान के लिए आकर्षित होंगे। डीएम ने बताया कि जिलास्तर पर सबसे सुंदर मतदान केंद्र के साथ विधानसभावार भी एक–एक केंद्र को आइकान मतदान केंद्र का प्रमाण–पत्र प्रदान करने के साथ क्रमशरू 5100 रुपये व 1100 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। सभी स्वीप अंबेसडर से तीन मार्च तक अपने–अपने विद्यालयों में मतदाता जागरूकता अभियान से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने व अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अपने अथवा नजदीकी गांव में मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाने के लिए कहा, ताकि मतदान प्रतिशत को अधिकतम किया जा सके। इस दौरान जिला आइकन चुनी गई क्रास कंट्री एथलीट सुमन सिंह का आडियो–विजुअल संदेश भी रिकॉर्ड किया गया, जिसे मतदाता जागरूकता अभियान के लिए प्रचारित किया जाएगा। बैठक में आए जिन किशोरों का टीकाकरण किसी कारणवश नहीं हो पाया था, उनके लिए कलेक्ट्रेट परिसर में ही टीकाकरण की व्यवस्था की गई। एडीएम डा. पंकज कुमार वर्मा, डीआइओएस अशोक कुमार सिंह, अपर एसडीएम मदन मोहन वर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

यूपीटीईटी 23 जनवरी को, सभी केंद्रों पर कोविड गाइडलाइन के पालन पर जोर

महराजगंज। आगामी 23 जनवरी को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विकास भवन सभागार में बैठक में डीएम सत्येन्द्र कुमार ने शासन से जारी कोविड गाइडलाइन व महामारी के दृष्टिगत जरूरी दिशा–निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि सभी सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट और प्रबंधक यह सुनिश्चित कर लें कि विगत में हुए पेपर लीक के बाद शुचितापूर्ण टीईटी परीक्षा का आयोजन अत्यंत अहम कार्य हो गया है। इसे स्वच्छ व पारदर्शी ढंग से कराना है। स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा पूर्व सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुनिश्चित कर लें कि सीसी कैमरा, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, स्वच्छ जल की सुविधा सभी केंद्रों पर उपलब्ध हो। विद्युत नहीं होने पर वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जनरेटर की व्यवस्था मौजूद रहे, ताकि परीक्षा कक्षों में प्रकाश की व्यवस्था अबाध बनी रहे। दूरदराज से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए रैनबसेरा की व्यवस्था की जाए तथा दूरदराज स्थित परीक्षा केंद्रों के लिए एआरएम के साथ बैठक कर आवश्यक संख्या में बसों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के लिए पहली पाली में समय 8.30 से 9.30 बजे तक तथा दूसरी पाली में दोपहर एक बजे से दो बजे तक प्रवेश दिया जाय। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। किसी प्रकार की कोई भूल नहीं हो, जिससे स्वयं के साथ अन्य को भी परेशानी हो। कोविड महामारी नियंत्रण के लिए सभी केंद्रों पर हेल्पडेस्क, थर्मल स्कैनर, आक्सीमीटर, सैनिटाइजर व सर्जिकल मास्क की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शारीरिक दूरी का पालन करते हुए परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की जाए। किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रानिक डिवाइस व मोबाइल फोन वर्जित रहेगा। बैठक में सीडीओ गौरव सिंह सोगरवाल, एडीएम डा. पंकज कुमार वर्मा, वरिष्ठ कोषाधिकारी शालीग्राम, एएसपी निवेश कटियार, डीडीओ जगदीश त्रिपाठी, डीआइओएस अशोक कुमार सिंह, डीसी मनरेगा अनिल चौधरी, सहित सभी पर्यवेक्षक, सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट, परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक और प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

ईवीएम के संचालन की दी गई जानकारी

महराजगंज। डीएम, जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में विधानसभा चुनाव में लगे पीठासीन व मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिए जाने के लिए मास्टर ट्रेनर को ईवीएम व वीवीपैट के संचालन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिग मशीन) व वीवीपैट (वोटर वेरीफाइड पेपर आडिट ट्रेल) के संबंध में जानकारी प्राप्त कर कार्य करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। वीवीपैट एवं ईवीएम टेक्नोलाजी के आधार पर कार्य करते हैं। इसलिए इन उपकरणों को कनेक्ट करने व क्रियान्वित करने की जानकारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी मास्टर ट्रेनर के रूप में पूर्व के चुनावों में भी ट्रेनर का कार्य कर चुके हैं, परन्तु इसके बाद भी पीठासीन अधिकारी प्रशिक्षण पुस्तिका को पढ लें, जिससे ईवीएम तथा वीवीपैट संचालन के लिए सही प्रशिक्षण दे सकें। बैठक में पीडी राजकरन पाल सहित सभी मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

भाजपा छोड़ सपा ज्वाइन कर बस्ती पहुचे जितेन्द्र पाल का हुआ भव्य स्वागत

बस्ती। भाजपा छोड़ सपा ज्वाइन करने के बाद पहली बार बस्ती आये जितेन्द्र पाल का मूड़घाट चौराहे पर उनके समर्थकों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद वे पार्टी कार्यालय पहुंचे जहां जितेन्द्र पाल के 50 समर्थकों ने सपा ज्वाइन किया। यहां पत्रकारों से बताचीत करते हुये जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा समाजवादी पार्टी को जितेन्द्र के रूप में एक सच्चा सिपाही मिला है। निश्चित रूप से उनके आने से पार्टी मजबूत हुई है। विधानसभा चुनाव में पार्टी पूरे दमखम से अपने प्रत्याशी उतार रही है, जनविरोधी नीतियों पर चल रही भाजपा सरकार को जनता उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। अपर्णा यादव के भाजपा ज्वाइन करने के सवालों पर जिलाध्यक्ष महेन्द्र नाथ यादव ने कहा अपर्णा यादव की पहचान मुलायम सिंह के बहू के रूप में है। वे चाहे जिस दल में हों अपनी पृष्ठभूमि नही बदल पायेंगी। उनके जाने का रत्तीभर पार्टी पर असर नही पड़ेगा। सपा

नेता जितेन्द्र पाल ने कहा उत्तर प्रदेश में समाजवाद का डंका बज रहा है। सपा कार्यालय पर मेले जैसा दृश्य है। आचार संहिता लागू होने के बाद पार्टी ज्वाइन करने वालों का तांता लगा है। इससे ऐसा लगता है कि लोग योगी सरकार की तानाशाही और अहंकारी प्रवृत्ति से तंग आ गये हैं और जाति धर्म, झूठ, फरेब, नफरत की राजनीति को लात मारकर भेदभाव रहित विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं। जितेन्द्र पाल के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय पर बालमुकुन्द चौधरी, वीरबहादुर चौधरी, नागेन्द्र पाल, राहुल पाल, अमित पाल, हनुमान मौर्या, रविकान्त विश्वकर्मा, रमेश सिंह, संदीप सिंह, आलोक चौधारी, संजीव पाल, धीरज चौधरी, नीरज सिंह, विक्रम गौतम, नसीमुद्दीन, अहमद हाशिम, तव्वाब अली, विजय वर्मा, रामलौट मौर्य, सोनू यादव,राजेश मौर्य, रमेश मौर्य, शिवभोले, अनमोल, गुड्डू, विभाकर शुक्ल, आकाश सम्राट, प्रमोद राजभर, इरशाद ओमद, आलोक पाल, मनोज पाल, सूर्य प्रताप सिंह, अजमत अली, राजाराम गौड़, रितिक कुमार तथा गुड्डू मंसूरी सहित 50 लोगों ने पार्टी ज्वाइन किया। मो. सलीम, अरविन्द सोनकर आदि मौजूद रहे। सभी ने एक आवाज में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को चुनाव जिताने का संकल्प लिया।

सिवान की टीम ने पीपीगंज को दी शिकस्त

महराजगंज। घुघली क्षेत्र नारंग क्षेत्रीय क्रीड़ांगन में आयोजित पं कमलाकांत मिश्र फुटबाल प्रतियोगिता के प्रथम दिन उद्घाटन मैच सिवान बिहार और पीपीगंज के बीच खेला गया, जिसमें सिवान की टीम ने पीपीगंज को दो गोल से पराजित कर प्रतियोगिता में अपनी जगह सुरक्षित कर लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ रोहन चौधरी ने गुब्बारा और कबूतर उड़ा कर तथा पं. कमलाकांत मिश्र ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मैच के पहले हाफ में पीपीगंज की टीम पर सिवान की टीम का काफी दबदबा रहा, परंतु गोल नहीं कर पाए। दूसरे हाफ में सिवान की टीम के बलबीर ने लगातार दो गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलाते हुए प्रतियोगिता में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। मैच के मुख्य निर्णायक रहमतुल्लाह व सहायक निर्णायक सुभाष,केशव जायसवाल,सुरेश रावत रहे। इस दौरान जनार्दन मिश्र, आयोजक अभिनव मिश्र उर्फ टिकल, शिक्षक चंद्रमौलि मिश्र, दिवाकर नाथ तिवारी, अरविद कश्यप, सुजीत जायसवाल, संदीप पांडेय, मानसिंह, अजित रावत, अयोध्या यादव, रामभरोस, अंकित वासिल जलालुद्दीन, अनिरुद्ध आदि उपस्थित रहे।

तुर्कपट्टी ने जीता फाइनल मुकाबला

महराजगंज। पंचायत इंटर कालेज परतावल बाजार के खेल मैदान में आयोजित पीआइसी कप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला तुर्कपट्टी, कुशीनगर ने जीत लिया। यादव क्रिकेट क्लब जमली की टीम 32 रन से हार गई। पंचायत इंटर कालेज के मैदान में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल मैच में टास जीतकर तुर्कपट्टी कुशीनगर की टीम ने बल्लेबाजी का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी कुशीनगर की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में पांच विकेट खोकर 132 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी यादव क्लब की टीम 90 रन पर सिमट गई। मैन आफ द मैच का पुरस्कार अतीउल्लाह को मिला। मुख्य अतिथि धीरेन्द्र कृष्ण त्रिपाठी ने विजेता टीम को 31000 नकद व ट्राफी तथा उपविजेता टीम को 14000 नकद व ट्राफी देकर पुरस्कृत किया। इस दौरान प्रधानाचार्य विनोद सिंह, आकाश निगम, सतीश मिश्रा, निजामुद्दीन, पवन वर्मा, राहुल, अभिमन्यु सिंह, अजय सैनी, महेन्द्र यादव आदि उपस्थित रहे।

कृषक भाई प्रमुख फसलों को कीट/रोग से बचायें:जिला कृषि रक्षा अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला कृषि रक्षा अधिकारी डा0 इन्द्रेषु कुमार गौतम ने किसान भाइयों को सूचित करते हुये बताया कि रबी की प्रमुख फसलों में लगने वाले सामयिक कीटध्रोग से बचाव हेतु विस्तृत सुझाव सहित एडवाइजरी जारी की गयी है। जिसमें राईध्सरसों में माहू एवं पत्ती सुरंगक कीट के नियंत्रण हेतु एजाडिरेक्टिन 0.15 प्रतिशत ई0सी0 की 2.5 लीटर मात्रा को 500–600 पानी में घोलकर छिड़काव करें। रसायनिक नियंत्रण हेतु डाईमेथोएट 30 प्रतिशत ई0सी0 अथवा क्लोरपाइरीफास 20 प्रतिशत ई0सी0 की 1.0 लीटर मात्रा को 600–750 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा, सफेद गेरुई एवं तुलासिता रोग के नियंत्रण हेतु मैकोजेब 75 डब्ल्यू0पी0 अथवा जिनेब 75 प्रतिशत डब्ल्यू0पी0 की 2.0 प्रतिशत अथवा मेटालैक्सिल 8 प्रतिशत प्लस मैंकोजेब 64 प्रतिशत डब्ल्यूपी0 की 2.5 किग्रा0 मात्रा को प्रति हे0 की दर से 650–750 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। चनाध्मटर फली बेधक एवं सेमीलूपर कीट के नियंत्रण हेतु खेतो में बर्ड पर्चर लगाना चाहिए। बी0टी0 1.0 किग्रा0 अथवा एन0पी0वी0 2 प्रतिशत ए0एस0 250–300 एल0ई0 प्रति हे0 की दर से लगभग 250–300 ली0 पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए अथवा एजाडिरेक्टिन 0.03 प्रतिशत डब्ल्यू0एस0पी0 2.5–3.0 किग्रा0 मात्रा को 500–600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हे0 की दर से छिड़काव करें। पत्ती धब्बा एवं तुलासिता रोग के नियंत्रण हेतु मैकोजेब 75 प्रति0 डब्ल्यू0पी0 की 2.0 किग्रा0 अथवा कापर आक्सीक्लोराइड 50 प्रति0की 3. 0 किग्रा0 मात्रा को 500–600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हे0 की दर से छिड़काव करें। बुकनी रोग के नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक 80 प्रतिशत 3. 0 किग्रा0 अथवा ट्राइडेमेफान 25 प्रति0 डब्ल्यू0पी0 250 ग्राम 500–600 ली0 पानी में घोल बनाकर प्रति हे0 की दर से छिड़काव करें। आलूः– आलू में अगेती एवं पछेती झुलसा रोग के नियत्रण हेतु जिनेब 75 प्रतिशत डब्ल्यू0पी0 2 किग्रा0 अथवा कॉपर आक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यू0पी0 की 2.5 किग्रा0 अथवा मेटालैक्सिल एम0 4 प्रतिशत प्लस मैंकोजेब 64 प्रतिशत डब्ल्यू0पी0 की मात्रा प्रति हे0 की दर से लगभग 500–600 ली0 पानी में घोलकर छिड़काव करें। कृषक भाई इस समय अपने खेत की सतत् निगरानी करते हुये रोग दिखने पर अपने नजदीकी कृषि रक्षा इकाई पर सम्पर्क करें, अथवा सहभागी फसल निगरानी एवं निदान प्रणाली के व्हाट्एप् नम्बर– 9452247111 या 9452257111 पर इसकी सूचना तत्काल देकर समाधानध्सलाह प्राप्त करें एवं किसी भी प्रकार फसलों की रोगध्याधिध्खरपतवारध्कीड़े–मकौड़े के अधिक प्रकोप की स्थिति में जिला कृषि रक्षा अधिकारी बलरामपुर सी0यू0जी0 नं0–7839882249 पर भी सूचना देकर समाधान प्राप्त कर सकते है।

ब्लॉक मुख्यालय में ही स्वच्छ भारत की उड़ाई जा रही धज्जियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश बलरामपुर के विकासखंड हरैया

सतघरवा मैं स्वच्छ भारत की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जहां एक तरफ भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रत्येक गांव ,चौराहा, एवं ऑफिस को साफ रखने की कवायद की जा रही है। वही विकासखंड हरैया सतघरवा में जहां से प्रत्येक गांव को स्वच्छ एवं साफ रखने की टीम भेजी जाती है। वही ब्लॉक मुख्यालय पर ही कूड़े का अंबार लगा है। आला अधिकारी मौन बने बैठे हैं । लगता है कि साहब ऑफिस से ब्लॉक मुख्यालय के ग्राउंड में जाते ही नहीं हैं जिससे कि आए दिन कूड़ा करकट जमा होने से कई प्रकार के रोगों का शिकार होना पड़ रहा है।

सापेक्षित फाउंडेशन ने जरूरत मंदो को बितरित किया कम्बल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सदर बिकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय बघुआरी

में बुद्धवार को ग्राम प्रधान शकुन्तला देबी तथा क्षेत्र पंचायत सदस्य नंग्गू के उपस्थित में सापेक्षित फाउंडेशन के तरफ से जरूरत मंदो बृद्ध जनों को पड़ रही कड़ाके की ठंड के मद्देनजर 101कम्बल बितरित किया गया उक्त अवसर पर फाउंडेशन के डायरेक्टर संजय सिंह पंकज पाठक सुरेश अग्रहरि रबिन्द्र कुमार कृष्णानंद चौबे तथा बिद्यालय के प्रधानाध्यापक अरूण देव पाण्डेय रीना बैश्य सुधा सहायक अध्यापक सहित गाँव के बिशिष्ट जन उपस्थित रहे।

मारवाड़ी युवा मंच के स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बृहस्पतिवार को मारवाड़ी युवा मंच के स्थापना दिवस के अवसर पर विगत वर्षो की भाती इस वर्ष भी मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन रक्तकोष जिला संयुक्त चिकित्सालय सोनभद्र में किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच के शाखा अध्यक्ष सचिन अग्रवाल ने कहा कि हर वर्ष मारवाड़ी युवा मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है और जरूरतमंदों की मदद की जाती है। उन्होने कहा की सभी को आगे बढ़ कर रक्तदान करना चाहिए। क्योंकि रक्त्कोष में निरंतर रूप से रक्त की आवश्यकता पड़ती रहती है। शाखा सचिव शिखर केडिया ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान को लेकर सभी लोगों को जागरूक होना चाहिए और दूसरो को जागरूक करना चाहिए। उन्होने आगे कहा कि रक्तदान शिविर के माध्यम से हम ज्यादा से ज्यादा लोगो को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का प्रयास करते आ रहे हैं। वही कार्यक्रम के संयोजक तरुण केडिया ने सभी नगर वासियों से अपील किया कि जिस प्रकार इस वर्ष रक्तदान किया गया। उसी प्रकार प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर में आए और अपना योगदान दें एवं दूसरो को भी रक्तदान करने हेतु प्रेरित करे। मंच के पूर्व अध्यक्ष पंकज कनोडिया ने सफल कार्यक्रम हेतु मंच के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित कर सभी को शुभकामनाएं दिया और कहा कि आप लोग आगे भी इसी तरह समाज में कार्य करते रहे। मंच अपनी 15 प्रांतीय कार्यों के साथ जन सेवा के हर क्षेत्र में अपना कार्य कर रहा है। जिसके लिए इसमें रक्तदान एंबुलेंस, मुक्ति रथ सेवा, स्थाई प्याऊ, जांच शिविर, साहित्य प्रकाशन, विकलांगों को कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण, पोलियो करेक्टिव सर्जरी, कन्या भ्रूण संरक्षण अभियान, कैंसर जांच व जागरूकता अभियान 20 जनवरी से लेकर 26 जनवरी तक चलाया जाएगा। जिसके अंतर्गत रॉबर्ट्सगंज नगर स्थित जिला रक्तकोश में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 42 रजिस्ट्रेशन हुए और 25 लोगों ने रक्तदान किया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने अभियान चलाकर एकत्र किए खाद्य पदार्थों,दूध के नमूने

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा आम

जनमानस को सुरक्षित एवं विशुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जाने हेतु अभियान चलाकर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में नमूने एकत्र कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। रामकरन, बड़ेलाल एवं पाटेश्वरी हरिहर गंज से दूध का नमूना संग्रह किया गया। जयप्रकाश बलदेवनगर से सेवईं एवं अशोक कुमार कोडरी से नमकीन का नमूना संग्रह किया गया। अभियान दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी लालमणि यादव, सत्यवीर सिंह, कमला रावत एवं बृजेश कुमार वर्मा शामिल रहे।

सोनभद्र के कवि प्रदुम्न त्रिपाठी हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कवि डॉ रणजीत सिंह के संचालन में रायपुर गौरी रायबरेली में संस्कृत शोध संस्थान के महानिदेशक डॉ प्रोफेसर शिव वरण शुक्ला ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के जन्म दिवस पर आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सोनभद्र के लोकप्रिय कवि व शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी के निदेशक प्रद्युम्न त्रिपाठी को अंगवस्त्रम, लेखनी, पुस्तिका तथा रू11000 नगद व सम्मान पत्र देते हुए सम्मानित किया। उक्त कवि सम्मेलन में देश के नामी–गिरामी कवि उपस्थित रहे।तो वही डोभाल के प्रतिनिधि के रूप में सरकारी अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा उक्त आयोजन से तथा सोनभद्र के लोकप्रिय कवि के सम्मान से बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शुक्ला, अशोक तिवारी एडवोकेट, विनोद कुमारचौबे एडवोकेट, ओम प्रकाश पाठक एडवोकेट तथा साहित्यकार रामनाथ शिवेंद्र, जगदीश पंथी, ईश्वर विरागी, दिवाकर द्विवेदी मेघ विजयगढ़, दिलीप सिंह दीपक, राकेश शरण मिश्र आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

युवा आगे आएं, कोविड टीकाकरण करवाएं: सीएमओ

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने युवाओं से की अपील
- जिले में 15-18 वर्ष के 42.07 प्रतिशत लोगों का हुआ कोविड टीकाकरण
- 62.40 प्रतिशत से अधिक आबादी ले चुकी है वैक्सीन की दोनों डोज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में कोविड टीकाकरण का ग्राफ बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में स्कूलों में शिविर लगाएं जा रहे हैं वहीं युवाओं के बीच कोविड टीके के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र, युवक मंगल, बाल सुधार गृह और चाइल्ड लाइन जैसे संस्थानों से मदद ली जा रही हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुशील कुमार ने गुरूवार को अपील की है कि युवा वर्ग निः संकोच टीकाकरण के लिए आगे आएं। साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी टीकाकरण के लिए प्रेरित करें। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जनपद में 01 लाख 50 हजार 698 युवाओं के लक्ष्य के सापेक्ष 63 हजार 406 युवाओं को यानि 42.07 प्रतिशत युवाओं को कोविड टीका से प्रतिरक्षित किया जा चुका है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. अरूण कुमार ने बताया कि जिन ब्लॉक में कोविड टीकाकरण की संख्या अच्छी है वहां यही तेजी बनाए रखना होगा। जहां कम है वहां और काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि 15–18 आयु वर्ग के युवा कोविड टीके की दूसरी डोज की नियत तारीख पर लगवा लें तभी पूरी सुरक्षा मिल पाएगी। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान व अन्य विभागों की मदद और सत्र विभाजन जैसे फार्मूले भी इस टीकाकरण को बढ़ाने में सार्थक भूमिका निभा रहे हैं। सभी के प्रयास से जागरूकता की लहर पैदा की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिले में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 97 प्रतिशत लोगों ने टीके की पहली डोज लगवा ली है, जबकि 62. 40 प्रतिशत से अधिक आबादी कोविड टीके की दोनों डोज ले चुकी है। वहीं 15–18 आयु वर्ग के लगभग 42.07 प्रतिशत किशोरों ने टीका कवर प्राप्त कर लिया है। 57 प्रतिशत पात्र लोगों को प्री–कॉशन डोज भी मिल चुकी है।

मतदाता जागरूकता अभियान कि शुरूआत

लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भूमिका निभाए, मतदान करने अवश्य जाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन– 2022 के दृष्टिगत जनपद के सभी नागरिकों को लोकतंत्र के उत्सव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित किए जाने हेतु मतदाता जागरूकता अभियान

के तहत बलरामपुर बालिका इंटर कॉलेज, भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज उतरौला सहित अन्य विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा घर–घर जाकर लोगों को आगामी विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग निष्पक्ष, निर्भीक एवं प्रलोभन रहित रूप से किए जाने हेतु जागरूक किया गया।

उपजिलाधिकारी घोरावल ने दर्जनों मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल एसडीएम रमेश कुमार ने बृहस्पतिवार को

विधानसभा चुनावों के संदर्भ में घोरावल विधानसभा डेढ़ दर्जन मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। एसडीएम रमेश कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार को राजस्व विभाग की टीम के साथ पांडेय पोखर, रानीतारा, बारीमहेवा, पतेरी, घेवरी, एलाही, खैराही ,बसवा निस्फ, करकी ,पापी, केकराही, गौरी निस्फ, परसौना, बगाही, मदार समेत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इन मतदान केंद्रों पर मतदान की तैयारी के दृष्टिगत आवश्यक भौतिक सुविधाओं की स्थिति ,वेबकास्टिंग हेतु आवश्यक सुविधाएं ,वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए कृत कार्यवाही, क्रिटिकल और वनरेबल बूथों पर की गई कार्यवाही समीक्षा ,रूट और कम्युनिकेशन प्लान की समीक्षा की गई। इसके साथ ही पोस्टल बैलट के लिए फार्म 12 डी एवं कोविड–19 वैक्सीनेशन की समीक्षा की गई। इस दौरान सभी बूथों के बीएलओ, राजस्वकर्मी एवं स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

अंडर वैल्यूएशन में माल रोकना गैर कानूनी, छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने व्यापारी पक्ष में निर्णय दिया– सतीश माहेश्वरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रत्तिनिधि मण्डल अलीगढ महानगर की एक बैठक सतीश माहेश्वरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सतीश माहेश्वरी ने अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने के पी सुगन्धि लिमिटेड बनाम स्टेट ऑफ छत्तीस गढ़ व अन्य (रिट न 36 व 49 दिनांक 16 मार्च 2020) में निर्णय दिया है कि बिल में माल के अंडर वैल्यूएशन की शंका के आधार पर माल को दाव रखना (कमजमदजपवद) और ट्रक को रोके रखना इसलिए कि उसपर ब्लैज् की धारा 129 और उसके नियम 138 में कार्यवाही अपेक्षित है, सर्वथा आधार हीन है। कानून इसकी इजाजत नही देता। साथ ही हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि रेवेन्यू विभाग तुरंत माल और व्हीकल को रिलीज करे और कहा कि माल पर आरोपित कर व पेनल्टी दोनों की डिमांड निरस्त की जाती है। ओपी राठी चेयरमैन ने कहा कि अगर विभाग नदकमतअंसनम में कोई माल नियम विरुद्ध रोकले तो व्यापारी उपरोक्त आदेश का लाभ ले सकते हैं व अधिकारियो को भी इसका संघ्यान लेना चाहिए। बैठक में दिनेश कुमार अग्रवाल महामन्त्री, श्रीकिशन गुप्ता कोशाध्यक्ष, विवेक शर्मा युवा अध्यक्ष, मनीष मोहता युवा महामन्त्री, गर्वित माहेश्वरी सासनीगेट महामन्त्री, बी के तोमर, करन मित्तल, बृजमोहन अग्रवाल, रितेश माहेश्वरी इत्यादि मौजूद रहे।

कोविड–19 का केस मिलने के कारण दिनांक 21 जनवरी को बन्द रहेगा जनपद न्यायालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद न्यायधीश नरेन्द्र बहादुर यादव ने बताया कि जनपद न्यायालय बलरामपुर में कोविड–19 का केस मिलने के कारण जनपद न्यायालय दिनांक 21 जनवरी, 2022 तक सैनिटाइजेशन हेतु पूर्णतया बन्द रहेगा। न्यायालय परिसर एवं न्यायालय भवनों को पूर्णतया सैनिटाइज हो जाने के उपरान्त एवं इस सम्बन्ध में प्रभारी अधिकारी नजारत की आख्या के उपरान्त न्यायालय खोला जायेगा। जनपद न्यायालय बलरामपुर में दिनांक 20 व 21 जनवरी, 2022 को नियत जमानत प्रार्थना पत्रों व नये संस्थित होने वाले वादों की सुनवाई के लिए 24 व 25 जनवरी, 2022 नियत की गयी है। इसके अतिरिक्त अन्य समस्त प्रकृति के वादों की सुनवाई हेतु दिनांक 27 जनवरी, 2022 निर्धारित की गयी है।

गणतंत्र दिवस को लेकर मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में वर्चुवल बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। अपर जिलाधिकारी राम अभिलाष ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह, 26 जनवरी, 2022 को हर्षोल्लास एवं परम्परागत रूप से मनाये जाने के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं व्यवस्थाओं पर चर्चा हेतु मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक वर्चुवल बैठक दिनांक 21 जनवरी, 2022 को पूर्वाह्न 12:00 बजे आयोजित की गयी है। बैठक का लिंक जिला प्रशासन के व्हाट्सएप पर बैठक के पूर्व भेजा जायेगा। समस्त सम्बन्धित अधिकारी से नियत तिथि को ससमय वर्चुवल बैठक में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की गयी है।

चोरी करने आए बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़, बाल बाल बचा पुलिसकर्मी

पुलिस कर रही फायरिंग की घटना से इंकार

सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला जुलाही टोला में करीब आधा दर्जन से अधिक असलहों से लैस बदमाशों ने धावा बोला दिया। मोहल्लेवाशियों ने सूझ बूझ का परिचय देते हुए आनन फानन में बिसवां पुलिस को सूचना दी। मोहल्ले के बाशिंदों और पुलिस ने बदमाशों को घेरने का प्रयास किया। अपने आप को फसता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायर झोंक दी। मोहल्ले के बाशिंदों ने बताया कि बदमाशों ने पुलिस पर फायर कर दी। जवाब में बिसवां पुलिस ने भी फायरिंग की। बताया जा रहा कि पुलिस और बदमाशों के बीच करीब चार राउण्ड फायरिंग हुई। इसी बीच बदमाशो की गोली से पुलिस का जवान बाल–बाल बच गया। वहीं बदमाश पुलिस और लोगों को चकमा देते हुए गुलजार शाह नई बस्ती की ओर भागे।

घटना बिसवां कोतवाली क्षेत्र के जोलाहीटोला का है। यहां के निवासी इलियास के घर पर कुछ अज्ञात बदमाशो ने देर रात धावा बोल दिया। बदमाशों ने इस दौरान घर के लकड़ी का मुख्य दरवाजा तोड़ रहे थे कि इस दौरान परिवार वालों और स्थानीय लोगो की आंख खुल गयी और उन्होंने मामले की जानकारी पुलिस को दे दी। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बदमाशों को मौके से दबोचने का प्रयास किया लेकिन बदमाशो ने इस दौरान कई राउंड फायरिंग करते हुए मौके से भाग निकले लेकिन पुलिस ने अन्य थानों की फोर्स के साथ घेराबंदी करते हुए एक बदमाश को कुछ दूरी पर दबोच लिया जबकि अन्य बदमाश फरार हो गए। पीड़िता स्वामी और स्थानीय लोगों कर मुताबिक बदमाशो ने पुलिस पर कई राउंड फायर किया है। पुलिस ने मौके से 315 बोर और 32 बोर के कारतूस के खोखे भी बरामद किये है लेकिन स्थानीय पुलिस फायरिंग की घटना से इंकार कर रही है। इंस्पेक्टर बिसवां राजीव सिंह का कहना है कि एक बदमाश को दबोच लिया गया है और रात में वह नशे में होने के चलते कुछ बताने की स्थिति में नही था इसलिए अब पूछताछ की जा रही है। पीड़ित स्वामी का कहना है कि आज पुलिस की सजगता के चलते ही वह और उनका परिवार सुरक्षित है।

जनपद के विभिन्न विद्यालयों में टीकाकरण कैंप लगाए जा रहे हैं:प्रशान्त रंजन

हरदोई।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ प्रशांत रंजन ने बताया है कि जनपद में सभी लोगों को कोरोना महामारी से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में कल 20 जनवरी 2022 को 15 से 18 वर्ष आयुवर्ग के किशोरों के टीकाकरण को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के विभिन्न विद्यालयों में टीकाकरण कैंप लगाए जा रहे हैं।

अहिरोरी ब्लॉक के अंतर्गत डॉ बीआरएआईसी बघौली चौराहा, वैदिक विद्या मन्दिर इण्टर कालेज, बावन ब्लॉक के अंतर्गत हरी ओम एसएनआईसी हसनपुर, एसएस संस्थान आई सी अल्लीपुर, बेंहदर ब्लॉक के अंतर्गत डीएसएस इण्टर कालेज रसूलपुर खरिका हिया, एसडीडी इण्टर कालेज सुभान.खेड़ा, भरावन ब्लॉक के अंतर्गत बीवीएम इण्टर कालेज भरावन, भरखनी ब्लॉक के अंतर्गत श्रीमती विजना देवी ममोरियल एचएसएस रामनगरिया हाथापाली, बिलग्राम ब्लाक के अन्तर्गत एसजेपीएलएचएसएस तिरवा चॉदपुर बी, श्री कन्हैयालाल आरबी पटेल इण्टर कालेज नूरपुर हथौड़ा, हरदोई शहर के अन्तर्गत लाल बहादुर शास्त्री इण्टर कालेज हरदोई, एसबीएमवीपी गर्ल्स इण्टर कालेज हरदोई, हरियावां ब्लाक के अन्तर्गत एसएसएस इण्टर कालेज मझिया, हरपालपुर ब्लाक के अन्तर्गत सर्वजीत सिंह इण्टर कालेज चौनपुर, श्री रामसागर इण्टर कालेज पीथनपुर नगरिया, कछौना ब्लाक के अन्तर्गत एमपीआईसी दिबियापुर तुसौरा, कोथावां ब्लाक के अन्तर्गत सन्जू देवी टीएनएचएसएस बेनीगंज, माधौगंज ब्लाक के अन्तर्गत अकित इण्टर कालेज लखाही गौनतारा, केपीएसआई कालेज रूद्दीखेड़ा शहबदा, पिहानी ब्लॉक के आशुतोष एचएस स्कूल शादत नगर, श्री द्वारिका सिंह इण्टर कालेज सहिजना, सांडी ब्लॉक के अंतर्गत नेहरू एचआर सेकेन्ड्री स्कूल गुर्रा साण्डी, जेकेजे इण्टर कालेज चौसर, संडीला ब्लाक के अन्तर्गत गर्वनमेटं गर्ल्स इण्अर कालेज सण्डीला, पंचशील विकास एचएसएस महनगांव, शाहाबाद ब्लॉक के अंतर्गत रजा मेमोरियल एचएसएस शाहाबाद, आरकेएम इण्टर कालेज शाहाबाद, सुरसा ब्लॉक के अंतर्गत एसएनएस एचएसएस सैदनाखेड़ा सहुतेरा, राकेश सिंह गुरूबक्श सिंह एचएसएस बघराई, तथा टोडरपुर ब्लाक के अन्तर्गत गर्वन्मेन्ट गर्ल्स इन्टर कालेज टोडरपुर में टीकाकरण कैंप लगाया जाएगा सभी टीकाकरण हेतु पात्र लोग उक्त दिवस को टीकाकरण कैंप में आने का कष्ट करें ताकि जनपद हरदोई को कोरोना से पूरी तरह से मुक्त किया जा सके।

प्रतिबंधित पेड़ों का अवैध कटान जारी

सीतापुर। रेउसा थांनगांव इलाके में पुलिस वन विभाग की मिली भगत से आये दिन प्रतिबन्धित पेड़ो का कटान जारी है। वन विभाग, स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से रातो रात आरा चलाकर पेड़ो को काटकर धरासाई कर लकड़ी मौके से उठा ले जारहे। नामोंनिशान मिटाने को जड़ो को जेसीबी से खोदकर मौके से गायब कर दिया जाता। रेउसा के ग्राम पकौरी निवासी बड़कन सिंह उर्फ शिवबीर सिंह ने करीब10पेड़ आम के लकडकट्टो हांथो बेचे थे। जिनको सोमवार सुबह तक काटकर लकड़ी मौके से लकडकट्टो उठा लेगये।वही जड़ो को जेसीबी से खोदकर मौके से गायब कर दिया।थांनगांव क्षेत्र के घुमनी मजरा मंगदा पुर निवासी हरद्वारी के 5 पेड़ आम के काटकर मौके से लकड़ी उठा ले गए।विभागीय अधिकारियों का रटारटाया एक ही बयान। रेंजर अहमद कमाल ने बताया जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

वीडियो वायरल प्रकरण की जांच में उधार के रुपये वापस करने की निकली बात

एक सप्ताह पहले बैंक के बाहर रुपये लेनदेन का वायरल हुआ था वीडियो

हरदोई। एक सप्ताह पहले आर्यवर्त ग्रामीण बैंक शिरोमणिनगर के बाहर एक युवक का लेनदेन का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो के साथ ही कुछ अराजकतत्त्वों ने यह खबर फैला दी कि उक्त युवक पेंशनर्स से अवैध वसूली कर रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पूरे मामले की जांच हुई तो पता चला उक्त वीडियो में युवक अपने द्वारा दिये गए उधार के युवक वापस ले रहा था।

एक सप्ताह पहले बैंक के बाहर शिरोमणिनगर निवासी नफीसुद्दीन उर्फ कम्मट का एक महिला और उसके पति से रुपये लेनदेन का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में किसी ने लिख दिया यह युवक इन पति पत्नी से पेंशन दिलाने के नाम पर अवैध वसूली कर रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद आयार्वत बैंक के लखनऊ से 2 अफसर जांच करने आये। पूरे मामले की जांच पड़ताल हुई। बैंक के प्रबंधक से पूछताछ भी हुई।जांच में सब सही पाया गया।वहीं दूसरी तरफ समाज कल्याण अधिकारी अपनी टीम के साथ बैंक पहुचे और उसके बाद भदेउना गॉव गए। वहां पहुंचकर विधवा और वृद्धा पेंशन पा रहे लोगो से बातचीत की। गॉव निवासी अफसाना पत्नी स्वर्गीय अलीराज, असर्फी पुत्र वजीर, और डेगराम से बातचीत की, उसके बाद शिरोमणिनगर निवासी उमेश पुत्र अर्जुन, रामबेटी पत्नी हरिबक्स, शिवा पत्नी प्रतिपाल के बयान दर्ज किए। इन सभी लोगो ने अपने बयान में किसी भी तरह की कोई भी वसूली ना होने की बात स्वीकारी। इसके अलावा वीडियो में उधार के रुपये वापस करने की बात सामने आई। शिरोमणिनगर निवासी जहीर अहमद,हसीन अहमद और नफीसुद्दीन पर लगे आरोप फर्जी पाए गए।

भय मुक्त व शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने हेतु पुलिस दृढ़ संकल्प:एडीजी शर्मा

हरदोई।आसन्न विधानसभा चुनाव 2022 के तैयारियों की समीक्षा एवं अपराध गोष्ठी की समीक्षा करने पहुंचे अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन लखनऊ बृज भूषण शर्मा ने पत्रकारों से शांतिपूर्ण व भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने की बात कही।

अपर पुलिस महानिदेशक श्री शर्मा ने भय मुक्त व शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न होने की तैयारियों की समीक्षा और अपराध गोष्ठी की समीक्षा के उपरांत पत्रकारों को बताया कि माफियाओं व अवैध शराब व्यापारियों के खिलाफ कार्यवाही की गई है उन सभी असामाजिक तत्वों को पाबंद किया गया है जो शांतिपूर्ण मतदान में व्यवधान डाल सकते हैं। कईयों को जिला बदर किया गया है। यही नहीं, ऐसे तत्वों पर निगरानी रखने के लिए पाबंद भी किया गया है आयोग की मंशा अनुसार सभी संवेदनशील, अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों को पूर्व से ही चयनित कर लिया गया है और ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि अधिकांश मतदान केंद्रों में अर्द्ध सैनिक बल तैनात किए जाएं, ऐसे ही कई कंपनियां चुनाव संपन्न कराने हेतु पहुंच भी रही हैं। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि उनका मकसद है कि चुनाव निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न हो, हर एक मतदाता को यह आश्वस्त करना है कि वह बिना भय के अपना मतदान कर सकता है इसके लिए संपूर्ण तैयारियां कर ली गई हैं और स्थितियों अनुसार उन पर निगरानी रखी जा रही है।

एडीजी लखनऊने एसएमडी कॉलेज में ठहरे अर्द्धसैनिक बलों की व्यवस्था को परखा

हरदोई। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एडीजी लखनऊ जोन लखनऊ ब्रजभूषण शर्मा ने कोतवाली क्षेत्र कछौना के अंतर्गत एसएमडी कॉलेज में ठहरे अर्द्धसैनिक बलों के रुकने की व्यवस्था को परखा, उनके भोजन व्यवस्था की जानकारी ली। श्री शर्मा ने अर्द्धसैनिक बलों से पूछा, किसी तरह की पेयजल,विद्युतीकरण व्यवस्था की समस्या तो नहीं है। क्षेत्र में रूटीन में हो रहे फ्लैग मार्च की जानकारी ली। मतदान केंद्रों की व्यवस्थाएं बेहतर करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। एडीजी कानून ने बताया प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। प्रशासन छोटी से छोटी घटनाओं पर नजर बनाए हुए हैं, किसी तरह की चूक न हो, अर्द्धसैनिक बलों के द्वारा लगातार गांव में पैदल फ्लैग मार्च किया जा रहा है। लोगों के अंदर भयमुक्त व स्वतंत्र रूप से चुनाव में मतदान कराने की अपील की। अराजक तत्वों के अंदर कानून का डर बढ़े, वही नागरिकों के अंदर कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास में इजाफा हो, जिससे शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न हो। इस निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी,अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी, क्षेत्र अधिकारी बघौली विकास जायसवाल, प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह मौजूद रहे।

फरीद बने कांग्रेस के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष, कांग्रेसियों ने दी बधाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा

सोनभद्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता फरीदा मत को सोनभद्र जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष पद पर तैनाती करके जिले में संगठन में मजबूती प्रदान करने का दायित्व दिया गया है। जैसे ही फरीद अहमद को जिला कांग्रेस कमेटी का कार्यवाहक जिला अध्यक्ष नियुक्त करने की सूचना मुख्यालय स्थित कांग्रेसियों को मिली तो सभी कांग्रेस पदाधिकारी मुख्यालय स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर नवनियुक्त कार्यवाहक जिला अध्यक्ष फरीद अहमद को फूल मालाओं से लाद दिया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और ओबरा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी घोषित किए गए रामराज सिंह गोंड़, शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र पासवान, धीरज पांडेय, निगम मिश्रा, जितेंद्र देव पांडेय, उषा चौबे, सुनीता तिवारी, कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष कौशलेश पाठक समेत दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैंक की दीवार काटकर अंदर घुसा चोर,स्ट्रांग रूम का नहीं तोड़ पाया ताला

कानपुर। कानपुर आउटर क्षेत्र अंतर्गत चौबेपुर में जीटी रोड पर सुनसान जगह में बनी यूको बैंक में एक बार फिर देर रात दीवाल काट कर चोरी का असफल प्रयास हुआ। बैंक खुलने पर स्ट्रांग रूम में नकब देख कर्मचारियों को जानकारी हुई।

चोर का सीसीटीवी फुटेज कैद हुआ है वहीं पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर जांच शुरू कराई है। चौबेपुर कस्बा के हनुमान मंदिर के पास एक इंटर कॉलेज के बाहर चलने वाली यूको बैंक की शाखा में 5 वर्ष के अंतराल में दो बार चोरी की घटनाएं हुई।

एक बार चोरों ने एटीएम तोड़ने का भी प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हुए। रात भी बैंक के पीछे की दीवार काटकर चोरी का प्रयास किया गया। चोर ने स्ट्रांग रूम में नकब लगाकर लाकर में लगे ताले तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन वह असफल रहा। सुबह बैंक खुलने के बाद जब कर्मचारियों ने दीवार में नकब देखा तो मामले की जानकारी पुलिस को दी। छानबीन में पाया गया कि बैंक में घुसने वाले चोर ने पहले सीसीटीवी के तार तोड़े फिर चोरी का प्रयास किया। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में चोर के रात 9 बजे घुसने के साक्ष्य मिले हैं। शाखा प्रबंधक शिव वर्धन ने बताया कि बैंक में दीवार काटकर चोरी का प्रयास किया गया है लेकिन कोई सामान व नगदी नहीं गई है। प्रभारी निरीक्षक कृष्ण मोहन राय ने बताया कि सुनसान स्थान पर बैंक होने के कारण चोर ने लोहे का जाल और दीवार में सेंध लगाकर चोरी का प्रयास किया है। सीसीटीवी फुटेज से चोर की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं फोरेंसिक टीम भुला कर भी साक्ष्य एकत्र कराए गए हैं।

जिला पशु चिकित्सा अधिकारी ने निर्माणाधीन वृहद गौशाला का किया निरीक्षण

हरदोई।ब्लाक कछौना की ग्राम सभा बालामऊ में छुट्टा गौवंशों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु वृहद गौशाला का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसके निर्माण कार्य में विभागीय अधिकारियों व राजस्व कर्मियों के रुचि न लिये जाने के कारण कार्य प्रगति धीमी स्तर पर चल रहा है। जिसके कारण आसपास के गांवों के किसानों के सामने छुट्टा गौवंशों की ज्वलंत समस्या बनी है। किसान अपनी फसल को छुट्टा गौवंशों से बचाने के लिए रतजगा करने को विवश हैं। क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा के अथक प्रयास से वृहद गौशाला विकासखंड कछौना की ग्राम सभा बालामऊ में एक करोड़ 20 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत कराई गई। जिसका निर्माण कार्य दाई संस्था लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है। जिला पशु चिकित्सा अधिकारी ने कार्य प्रगति धीमी होने पर संबंधित कर्मियों पर नाराजगी जताई। कार्य शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी प्रमोद अग्रवाल, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ रामेन्द्र सिंह, अवर अभियंता लोक निर्माण विभाग बिलग्राम खण्ड, ग्राम प्रधान आलोक कुमार उर्फ विपिन कुमार मौजूद रहे।

लडके को फोन पर दी जा रही है जान से मारने की धमकी और मांग रहे है 10 लाख की फिरौती

दैनिक बुद्ध का संदेश

अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना गांधी पार्क क्षेत्र के सौरव ने एसएसपी से शिकायत की है कि उसके मॉ के नम्बर बीते दिनों से अज्ञात नम्बर से फोन आ रहे है और 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी जा रही है पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है जिसको लेकर आज पीड़ित युवक ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है । वही सौरव ने बताया कि पहले उसकी पत्नी के नम्बर पर अज्ञात नम्बर से फोन आ रहा था उसके बाद अब उसकी मां के नम्बर पर अज्ञात नम्बर से फोन आ रहा है और दस लाख रुपये की फिरौती मांगी जा रही है और पैसे न देने पर उसके बेटे को जान से मारने की धमकी दी जा रही है जिसकी शिकायत लेकर पीड़ित युवक ने आज एसएसपी से इस पूरे प्रकरण की जांच कर कानूनी कार्यवाही के लिए न्याय की गुहार लगाई है और उसने बताया कि फोन करने वाला युवक व्हाट्सएप पर अवैध असलेह के फोटो भेजता है और धमकी देता रहता है ।

कोरोना के 14 मरीज भर्ती,तीन गंभीर वेंटीलेटर पर

कानपुर। कानपुर में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मेडिकल कॉलेज का 60 बेड का होल्डिंग एरिया संदिग्ध मरीजों से फुल हो चका है। कोरोना के 14 मरीज भर्ती हैं इनमें तीन गंभीर वेंटीलेटर पर हैं। एक को वेंटीलेटर के जरिए कार्डियोलॉजी से हैलट कोविड वार्ड में शिफ्ट किया गया है। होल्डिंग वार्ड में विशेष तरह का अलर्ट जारी किया गया है। ग्रीन और रेड जोन होल्डिंग इमरजेंसी के स्टाफ को पीपीई किट पहनने के निर्देश दिए गए हैं।

मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट के मुताबिक फ्लू ओपीडी में लिए गए सेंपलों में . 40 फीसदी सैंपल पॉजिटिव पाए गए हैं। सीएमओ के डॉ.नेपाल सिंह के मुताबिक पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 7 फीसदी के आसपास हो गई है। हालांकि स्वस्थ होने वालों की संख्या भी अधिक है। उधर, तीन हजार आरटीपीसीआर और एंटीजन जांच सैंपलों की रिपोर्ट आनी बाकी है।

आरटीओ ऑफिस में लोगों को हुई दिक्क्तें : एआरटीओ सुधीर वर्मा समेत कोरोना की चपेट में आए सात अन्य लोगों की वजह से आरटीओ में होने वाले कई काम . प्रभावित हुए है। आरटीओ के एक अधिकारी ने बताया, जितने भी लोग संक्रमित पाए गए है वो सभी वो लोग है जो लाइसेंस बनाते है या रिन्यू करते है। जिसकी वजह से आने वाले कुछ दिनों लोगों को थोड़ी दिक्कत हो सकती है।

विधानसभा उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने समाजवादी पार्टी को दिया इस्तीफा

हरदोई। अब तक समाजवादी पार्टी के सदस्यता लिए विधानसभा उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने आखिरकार समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव को पत्र लिखकर अपना इस्तीफा भेज ही दिया।इसके साथ ही उन्होंने विधानसभा उपाध्यक्ष के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। मालूम हो कि समाजवादी पार्टी के टिकट पर वर्ष 2017 के चुनाव में पूर्व राज्य सभा सांसद नरेश अग्रवाल के पुत्र नितिन अग्रवाल ने जीत कर उनके पिता नरेश अग्रवाल के भाजपा के चले जाने के बाद वह भी भाजपा के साथ रहे किंतु न ही समाजवादी पार्टी ने उन्हें पार्टी से निकाला और ना ही नितिन अग्रवाल ने समाजवादी पार्टी से इस्तीफा दिया। या यूं कहें कि वह असंबद्ध विधायक के तौर पर रहे।भारतीय जनता पार्टी ने अभी 2 महीने पहले विधानसभा उपाध्यक्ष का पद विपक्षी दलों का होने के कारण सपा के ही नितिन अग्रवाल को विधानसभा उपाध्यक्ष बना दिया था। मालूम हो कि नितिन अग्रवाल मोदी लहर में भी 2017 में समाजवादी पार्टी के टिकट से जीते थे। महत्वपूर्ण हो कि पिता नरेश अग्रवाल को सपा से राज्यसभा टिकट न मिलने के बाद पिता नरेश अग्रवाल ने भाजपा ज्वाइन की थी, इसके बाद अघोषित रूप से नितिन अग्रवाल भाजपा के लिए काम करते रहे।

बराबर भाजपा के मंचों में देखे भी जाते रहे।आज समाजवादी पार्टी से उनका मोहभंग हो गया। सूत्र बताते हैं कि भाजपा में हरदोई सदर से टिकट पक्का होने की नजर से उन्होंने समाजवादी पार्टी की सदस्यता और विधानसभा उपाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है।

कोविड टीकाकरण में आगे आये युवा वर्गः मुख्य चिकित्सा अधिकारी

हरदोई।जनपद में कोविड टीकाकरण का ग्राफ बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में स्कूलों में शिविर लगाएं जा रहे हैं वहीं युवाओं के बीच कोविड टीके के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए एनसीसी,नेहरू युवा केंद्र, युवक मंगल,बाल सुधार गृह और चाइल्ड लाइन जैसे संस्थानों से मदद ली जा रही हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. ओम प्रकाश तिवारी ने अपील की है कि युवा वर्ग निःसंकोच टीकाकरण के लिए आगे आएं। साथ ही अपने आसपास के लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करें। जनपद में लगभग 41: युवाओं को कोविड टीका से प्रतिरक्षित किया जा चुका है। जिन ब्लॉक में कोविड टीकाकरण की संख्या अच्छी है वहां यही तेजी बनाए रखना होगा।

जहां कम है वहां और काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान व अन्य विभागों की मदद और सत्र विभाजन जैसे फार्मूले भी इस टीकाकरण को बढ़ाने में सार्थक भूमिका निभा रहे हैं। सभी के प्रयास से जागरूकता की लहर पैदा की जा रही है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. प्रशांत रंजन के मुताबिक जिले में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 90 प्रतिशत लोगों ने टीके की पहली डोज लगवा ली है जबकि 63 प्रतिशत से अधिक आबादी कोविड टीके की दोनों डोज ले चुकी है। वहीं 15–18 आयु वर्ग के लगभग 1.8 लाख किशोरों ने टीका कवर प्राप्त कर लिया है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने कहा– टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना है द्य मास्क,लगाना, दो गज की शारीरिक दूरी बनाए रखना और बार–बार हाथ धोते रहना है।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

कैसे की जाती है फोम रोलर एक्सरसाइज? जानिए इससे जुड़ी खास बातें

फोम रोलर एक तरह की दर्द निवारक एक्सरसाइज है। इससे हमारा मतलब यह है कि इस एक्सरसाइज की मदद से शरीर के किसी भी हिस्से के दर्द को दूर किया जा सकता है। इसके लिए बस आपको एक 18 इंच या 36 इंच के फोम रोलर के जरुरत पड़ेगी। आइए आज आपको फोम रोलर एक्सरसाइज करने का तरीका, इसके फायदे और इससे जुड़ी कुछ सावधानियां और एक्सरसाइज के दौरान ध्यान में रखने वाली बातों के बारे में बताते हैं। अभ्यासः फोम रोलर एक्सरसाइज करने का तरीकाः फोम रोलर एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले फोम रोलर को उस जगह पर रखें, जहां आपको दर्द है या फिर आप शरीर के जिस हिस्से की मांसपेशियों की मसाज करना चाहते हैं। इसके बाद हल्का सा दबाव बनाते हुए आपको कुछ सेकेंड धीरे–धीरे ऊपर नीचे और आगे पीछे होना है। अगर आप पहली बार इस एक्सरसाइज को कुछ दिनों तक इसका समय 15 से 20 सेकेंड रखें, फिर समय सीमा को बढ़ाकर 40 से 60 सेकेंड कर दें। सावधानियांः एक्सरसाइज करते समय जरूर बरतें ये सावधानियांः फोम रोलर को कभी भी अपनी हड्डी के जोड़ो पर रोल न करें क्योंकि इससे उन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अगर शरीर के किसी हिस्से में चोट लगी हो या सर्जरी हुई है तो इस एक्सरसाइज को न करें। गर्भवती महिलाएं इस एक्सरसाइज को करते समय संतुलन बनाने में अधिक सावधानी बरतें या फिर इस एक्सरसाइज को न ही करें। बेहतर होगा कि आप शुरूआत में इस एक्सरसाइज का अभ्यास किसी ट्रेनर की निगरानी में करें। फायदेः रोजाना फोम रोलर एक्सरसाइज करने से मिलने वाले फायदेः फोम रोलर एक्सरसाइज तंग मांसपेशियों को ठीक करने में मदद कर सकती है और यह पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में सहायक है। इस एक्सरसाइज से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है और इससे शरीर में लचीलापन आता है। यह एक्सरसाइज मोटापे से छुटकारा दिलाने में भी सहायक है। इस एक्सरसाइज से स्टेमिना बढ़ाने में भी काफी मदद मिलती है। शरीर के संतुलन को बेहतर बनाने में भी यह एक्सरसाइज काफी मददगार है।

टिप्सः एक्सरसाइज से जुड़ी खास टिप्सः शुरूआत में इस एक्सरसाइज को अधिक समय तक न करें, बल्कि धीरे–धीरे इसका समय बढ़ाएं। एक्सरसाइज करते समय सामान्य रूप से सांस लेते रहें और अपनी सांस को रोककर न रखें। इस एक्सरसाइज को करते समय अपने सिर और कूल्हों पर अधिक दबाव न डालें और न ही एक्सरसाइज के दौरान अपने शरीर के किसी भी हिस्से को जकड़े क्योंकि इस वजह से चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है।

श्आश्रम्य से पहले स्पॉटलाइट में बेहद हॉटअंदाज में दिखी त्रिधा चौधरी

टीवी सीरियल के साथ फिल्मों में अपना जलवा बिखेरने के बाद वेब सीरीज में बोल्डनेस का तड़का लगा चुकी इस एक्ट्रेस ने सबको मदहोश कर रखा है। यह एक्ट्रेस और कोई नहीं बल्कि त्रिधा चौधरी हैं। जिन्होंने आश्रम वेब सीरीज में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी थी, लेकिन अगर आप ये सोच रहे हैं कि सिर्फ इसी वेब सीरीज से त्रिधा लाइमलाइट में छाई थी तो आप गलत हैं। हम आपको एक और ऐसी वेब सीरीज के बारे में बताते हैं जिसमें त्रिधा का बेहद बोल्ड अंदाज देखा गया। अकसर त्रिधा चौधरी अपने बोल्ड अंदाज से फैंस को अपना दीवाने करने में कामयाब रहती है।सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली त्रिधा को लोग खूब प्यार देते है।त्रिधा की हर फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो जाती है। टीवी सीरियल श्दहलीज्य में स्वाधीनता रामाकृष्णनन का किरदार निभाने वाली त्रिधा ने विक्रम भट्ट की वेबसीरीज स्पॉटलाइट में मुख्य किरदार निभाती नजर आई। वहीं, वेब सीरीज में बबिता का रोल करने वाली ऐक्ट्रेस त्रिधा ने लोगों को अपनी तरफ काफी आकर्षित किया था। जब भी वेब सीरीज श्आश्रम्य की बात होती है तो त्रिधा के इंटीमेट सीन की बात जरूर होती है। आश्रम से पहले वेबसीरीज श्स्पॉटलाइट में काफी बोल्ड अंदाज में नजर आई थी। स्पॉटलाइट्य में त्रिधा ने कई लोगों के साथ बोल्ड सीन दिए. इसमें त्रिधा अपने से 23 साल बड़े आरिफ जकारिया संग लिपलॉक और बोल्ड सीन देती नजर आई। सीरीज का मेन प्लॉट लव ट्राएंगल है। श्मायाय की ही तरह श्स्पॉटलाइट्य भी काफी बोल्ड सीरीज है। इसमें कई किसिंग सीन्स के अलावा हॉट सीन की भी भरमार है। ा नजर आई। इसमें उन्होंने अपने को–स्टार सिड मकर के साथ कई बोल्ड सीन दिए थे। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं त्रिधा अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। वेबसीरीज श्स्पॉटलाइट्य में ऑन स्क्रीन सना ने सिनेमा जगत में पहचान बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती हैं। यह तस्वीर देखकर आपको लग ही रहा होगा कि अपने पैशन के लिए कैसे त्रिधा सब कुछ करने को तैयार रहती हैं। त्रिधा ने बंगाली फिल्म शमिशौर रोहोस्योय से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह वेब सीरीज श्चार्जशीट्य और श्बंदिश बैंडिट्स्य में काम कर चुकी हैं। वह साल 2016 में टीवी शो श्दहलीज्य में हर्षद अरोड़ा के साथ नजर आई थीं। त्रिधा अब रणबीर कपूर, वाणी कपूर और संजय दत्त स्टारर फिल्म श्शमशेराय में दिखाई देंगी। इससे पहले त्रिधा स्टार प्लस के श्दहलीज्य सीरियल में दिख चुकी हैं। इस सीरीज की तुलना मधुर भंडारकर की फिल्मों से भी की जा रही है।

पुष्पा की सफलता के बाद रश्मिका ने की फीस में बढ़ोतरी?

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पाः द राइज बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई है। इस फिल्म में उनके साथ साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की जोड़ी जमी है। फिल्म में रश्मिका के अंदाज ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। फिल्म में लगाए उनके ठुमके ने दर्शकों की महफिल लूट ली है। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस फिल्म की सफलता के बाद रश्मिका ने अपनी फीस में बढ़ोतरी कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुष्पा की सफलता के बाद रश्मिका ने अपनी फीस में इजाफा किया है। ऐसी चर्चा है कि उन्होंने पुष्पा के दूसरे भाग पुष्पारू द रूल के लिए अपनी फीस बढ़ाई है। खबरों की मानें तो रश्मिका ने फिल्म के दूसरे भाग के लिए निर्माताओं से मोटी रकम की मांग की है। कहा जा रहा है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए तीन करोड़ रुपये फीस की डिमांड की है। रिपोर्ट की मानें तो पुष्पा में काम करने के लिए रश्मिका ने दो करोड़ रुपये चार्ज किए थे। इस प्रकार अब उन्होंने अपनी फीस में एक करोड़ रुपये की वृद्धि की है। मेकर्स भी रश्मिका को उनकी बढ़ी हुई फीस भुगतान करने के लिए तैयार हैं। अगर यह खबर सच निकली, तो अभिनेत्री को अपने करियर में सबसे अधिक फीस मिलेगी। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पुष्पा ने रश्मिका को पैन इंडिया लेवल पर पहचान दिलाई है।

पुष्पा 17 दिसंबर को सिनेमाघरों में आई थी। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन ही वह कीर्तिमान बना लिया, जो 2021 में कोई फिल्म नहीं कर पाई। अल्लू की पुष्पा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 2021 का सबसे बड़ा ओपनिंग डे अपने नाम किया था। यहां तक कि फिल्म ने मास्टर और स्पाइडर मैन को भी पछाड़ दिया था। पुष्पा का ओपनिंग डे का कलेक्शन 52.50 करोड़ रुपये है। फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है।

पुष्पा में अल्लू के साथ रश्मिका ने अपने अभिनय का जौहर दिखाया है। फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम श्रीवल्ली है। फिल्म के जरिए अल्लू और रश्मिका पहली बार साथ आए हैं। रश्मिका की यह पहली फिल्म है, जो सीधे हिन्दी दर्शकों के बीच आई। फिल्म की कहानी चंदन की लकडियों की तस्करी से जुड़ा है। फिल्म तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिन्दी सहित पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज हुई है।

अभी फिल्म को रिलीज हुए कुछ ही दिन हुए हैं कि दर्शकों की उत्सुकता इसके दूसरे भाग पुष्पारू द रूल को लेकर बढ़ गई है। इसका सीच्ल इसी साल 17 दिसंबर को आएगा। सुकुमार ने खुद एक इंटरव्यू में इस संबंध में जानकारी दी थी। रश्मिका बहुत जल्द बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। वह सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म मिशन मजनू से बॉलीवुड में कदम रखेंगी। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। वह फिल्म में एक रॉ एजेंट की भूमिका में दिखेंगी। सिद्धार्थ भी एक रॉ एजेंट के किरदार में दिखेंगे। उनकी दूसरी हिन्दी फिल्म है गुडबाय, जिसके जरिए उन्हें पहली बार अमिताभ बच्चन संग काम करने का मौका मिला है।

दिव्यांका त्रिपाठी ने अपने पंजाबी गाने का वीडियो फैंस के साथ किया शेयर

छोटे पर्दे की जानीमानी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने अपने पंजाबी गाना श्बाबुल दा वेहडाय का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है और अपने फैंस को एक बेहद इंटरेस्टिंग टास्क दिया है। 2022 की शुरुआत के साथ दिव्यांका ने पंजाबी म्यूजिक वर्ल्ड में अपना कदम रखा है।

श्बाबुल दा वेहडाय गाने में दिव्यांका ने एक दुल्हन की भूमिका निभाई है, जो भावनात्मक उथल–पुथल से गुजर रही है,क्योंकि वह अपने पिता के घर को छोड़कर एक नई जिंदगी की शुरुआत करने जा रही है। दिव्यांका इन दिनों अपने इस गाने का जबरदस्त प्रमोशन कर रही हैं। अपनी लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए भी दिव्यांका ने फैंस को एक बेहद इंटरेस्टिंग टास्क दिया है। इस वीडियो की शुरुआत में दिव्यांका ब्लैक टॉप पहने हाथ में रेड कलर का बेहद एलिगेंट सूट लिए हुए मुस्कुराती नजर आ रही हैं, और बस पलक झपकते ही दिव्यांका उसी सुर्ख लाल सूट में बिल्कुल किसी पंजाबी दुल्हन की तरह सजी हुई बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। कैप्शन में दिव्यांका ने लिखा कि मैं बेसब्री से इस गाने पर आपके इंस्टा रील्स का इंतजार कर रही हूं। फेस स्वाईप कर अपना वीडियो बनाकर मेरे साथ शेयर करें। वीडियो के बैकग्राउंड में श्बाबुल दा वेहडाय गाना सुनाई दे रहा है। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए दिव्यांका ने फैन्स से भी इसी गाने पर अपना ट्रांसफार्मेशन रील शेयर करने के लिए कहा है।

चाय और कॉफी में चीनी की जगह इन चीजों का कर सकते हैं इस्तेमाल

कई लोग अपने दिन की शुरूआत चाय या फिर कॉफी के सेवन से करना पसंद करते हैं, लेकिन इनमें मिलाई जाने वाली चीनी स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। इसी वजह से अगर आप चाय और कॉफी में मिठास के लिए चीनी की जगह कुछ अन्य विकल्प खोज रहे हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि चाय और कॉफी में चीनी की बजाय किन चीजों को मिलाया जा सकता है।

मेपल सिरप

मेपल सिरप कई तरह के मिनरल्स और विटामिन्स के साथ–साथ एंटी–ऑक्सीडेंट गुण से समृद्ध होता है। यहीं नहीं, इसमें कैलोरी की मात्रा भी बहुत कम होती है, इसलिए इसे चीनी का एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प माना जाता है। आप चाहें तो अपनी चाय या कॉफी में चीनी की जगह मेपल सिरप को मिलाकर उनका स्वाद बढ़ा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप मेपल सिरप को कई तरह के मीठे व्यंजनों का हिस्सा बना सकते हैं।

गुड़

गुड़ भी चीनी का एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है क्योंकि इसका सेवन भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। गुड़ में आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, फास्फोरस और कार्बोहाइड्रेट जैसे कई पोषक तत्व के साथ–साथ एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण और एंटी–एलर्जिक गुण आदि शामिल होते हैं, इसलिए इसे स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना जाता है। आप चाहें तो अपनी चाय या कॉफी के लिए गुड़ का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस ध्यान रखें कि गुड़ को चाय और कॉफी को बनाने के बाद डालना है।

कोकोनट शुगर

आजकल बाजार में कई तरह की चीनी मौजूद है, जिनमें कोकोनट शुगर यानी नारियल से बनी हुई चीनी भी शामिल है। यह चीनी कई तरह के पोषक तत्वों से समृद्ध होती है, इसलिए इन दिनों यह काफी प्रचलन में है और फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए अच्छी मानी जा रही है। इसलिए अगर आप चाहें तो अपनी चाय और कॉफी में कोकोनट शुगर को मिलाकर उनकी मिठास बढ़ा सकते हैं।

शहद

शहद एक बेहतरीन आयुर्वेदिक औषधि है क्योंकि इसमें कई प्रकार के खनिज व पोषक तत्व सम्मिलित होते हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें एंटी–इंफेक्शन, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–ऑक्सीडेंट गुण भी मौजूद होते हैं, इसलिए इसे चाय या फिर कॉफी में चीनी की जगह मिलाना काफी अच्छा विचार हो सकता है। इससे न सिर्फ इन चीजों में मिठास आएगी बल्कि यह कई तरह से स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। आप चाहें तो स्मूदी और शेक आदि में भी शहद को मिला सकते हैं।